

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

गोपाल, रविवार 3 मई 2026



इन्वेस्ट
मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएं

MPIDC

MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT
CORPORATION LTD.



प्रदेश की प्रगति का स्वर्णिम पथ

उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की महत्वपूर्ण परियोजना

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर (प्रथम चरण)

भूमिपूजन

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव
द्वारा

3 मई, 2026 | ग्राम नैनोद, इंदौर

लंबाई
20 कि.मी.

क्षेत्रफल
1300 हेक्टेयर

लागत
₹2360 करोड़

कनेक्टिविटी
NH-47 | NH-52

किसानों को उनकी भूमि का 60% विकसित भू-खण्ड लौटाने का ऐतिहासिक निर्णय

परियोजना के लाभ

- ▶ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निवेश आकर्षण
- ▶ पश्चिमी इंदौर के विकास को नई गति
- ▶ भारी यातायात के दबाव से राहत
- ▶ 300+300 मीटर बफर ज़ोन
- ▶ लॉजिस्टिक्स एवं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी
- ▶ रोज़गार के नये अवसरों का सृजन
- ▶ सिंहस्थ 2028 के लिए महत्वपूर्ण ट्रैफिक मार्ग

विकास सेक्टर

- ▶ IT / FinTech सिटी
- ▶ अप्रदूषणकारी उद्योग
- ▶ वाणिज्यिक क्षेत्र
- ▶ आवासीय क्षेत्र
- ▶ लॉजिस्टिक्स हब
- ▶ नागरिक उपयोग
- ▶ हरित बफर ज़ोन

D-11014/26

दादाजी धाम में धूमधाम से मनाई गई नारद जयंती, नारायण-नारायण के लगे जयकारे

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

दादाजी धाम मंदिर में शनिवार को देवर्षि नारद मुनि का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर में भगवान लक्ष्मी-नारायण के समक्ष विधि-विधान से पूजन कर श्रद्धालुओं ने धर्म, आस्था और आध्यात्मिक



दादाजी धाम में दर्शन करने पहुंचे दर्शनार्थी ।

उन्नति की कामना की। पूजा के बाद प्रसाद वितरण किया गया। पूरे परिसर में भजन-कीर्तन और नारायण-नारायण के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। मां चामुंडा दरबार के पुजारी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि देवर्षि नारद मुनि को भगवान विष्णु का परम भक्त और दिव्य ज्ञान का स्रोत माना जाता है। उनकी भक्ति से जीवन में सद्बुद्धि, आध्यात्मिक चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।



श्रद्धालुओं ने निकाली कलश यात्रा ।

संगीतमयी श्रीमद भागवत कथा में पधारे श्रद्धालु, भक्तों ने निकाली कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

बागसेवनिया प्रियदर्शनी नगर में नव निर्मित श्री राधाकृष्ण एवं शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में

संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन हो रहा है, जिसमें कथा वाचन पं. आचार्य रविवरण शास्त्री महाराज भवानी धाम वाले कर रहे हैं। शुक्रवार को भक्तों ने कलश

यात्रा निकाली। कलश यात्रा मां हरसिद्धी मंदिर प्रियदर्शनी पार्क से कथा स्थल पर पहुंची। आयोजन के यजमान लक्ष्मण सिंह कंसाना, नीलिमा कंसाना है।



लाइव योगा सेशन में शामिल होंगे हजारों छात्र

भोपाल । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर ‘100 डेज प्रोलाइव योगा सेशन’ में मध्य प्रदेश के 17 हजार आयुष छात्रों के साथ इंटरन, जूनियर डॉक्टरस, स्नातकोत्तर छात्र व 13 हजार आयुष कर्मचारी सहभागी बनेंगे। प्रमुख सचिव आयुष विभाग मप्र डॉ शोभित जैन ने प्रदेशभर के समस्त आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी कॉलेजों की समीक्षा बैठक में उपस्थित आयुष कॉलेजों के प्राचार्यों व प्रबंधनों में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में शामिल होने की अपील की है। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश में भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, इंदौर, बुरहानपुर, रीवा समेत नौ शासकीय आयुष कॉलेजों के साथ 63 आयुष कॉलेज संचालित हैं। 100 डेज प्रो लाइव योगा सेशन संबंधित एक पत्र राज्य कार्यक्रम प्रबंधक एनएएम संचालनालय आयुष मप्र डॉ. राजीव मिश्रा ने भी जारी किया है। यह कार्यक्रम मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित किया जाएगा। जिसका उद्देश्य योग को जन आंदोलन के रूप में स्थापित करना एवं आम जन के दैनिक जीवन में योग को शामिल करना है। डॉ. पाण्डेय ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत 14 दिवसीय संचित योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रसारण ऑनलाइन माध्यम से होगा तथा समापन 27 मई को एक बड़े ऑनलाइन योग के माध्यम से प्रस्तावित है।

मशारूम वर्ल्ड ग्रुप का इनोवेशन; 2 साल की रिसर्च और 50+विशेषज्ञों की टीम ने किया विकसित

शहर में देश का पहला एल्गी ट्री स्थापित प्रदेश के मंत्री सारंग ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

देशभर में बढ़ते कार्बन स्तर, गर्मी और हीटवेव के बीच भोपाल से एक नई पहल सामने आई है। शहर में देश का पहला एल्गी ट्री स्थापित किया गया है, जिसका उद्घाटन शुक्रवार को प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग ने किया। इस अवसर पर मशरूम वर्ल्ड कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर विजय सागर और डायरेक्टर, समीर सागर, शक्ति सागर के साथ अन्य निदेशक भी उपस्थित रहे। एल्गी ट्री, मशरूम वर्ल्ड ग्रुप द्वारा विकसित माइक्रोएल्गी आधारित सिस्टम है, जो वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन छोड़ता है।



प्रोजेक्ट को विकसित करने में लगा दो वर्षों का समय कंपनी के अनुसार, इस प्रोजेक्ट को विकसित करने में लगभग दो वर्षों का समय लगा, जिसमें 50 से अधिक विशेषज्ञों, रिसर्चर्स और इंजीनियर्स की टीम ने काम किया। इस टीम में नरेश बाबू, हेड रिसर्च साइंटिस्ट ने माइक्रोएल्गी सिस्टम्स में वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार का नेतृत्व किया, जिससे तकनीक की कार्यक्षमता, दक्षता और निरंतर विकास सुनिश्चित हुआ। साथ ही तनुप्रिया पटेल, रिसर्च साइंटिस्ट के रूप में इस प्रोजेक्ट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भोपाल अब देश का पहला शहर बन गया है, जहां इस तरह की तकनीक को सार्वजनिक रूप से स्थापित किया गया है।

गैस सिलेंडर चुराने वाला गिरफ्तार अच्छे दाम मिलने के कारण चुराने लगे थे सिलेंडर

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

रातीबड़ पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के पांच सिलेंडर जब्त किए हैं। आरोपी अपने साथी के साथ घरों से केवल सिलेंडर ही चुराते थे। दरअसल, इज़राइल अमेरिका द्वारा ईरान के साथ चल रहे युद्ध के कारण गैस सप्लाई प्रभावित हुई है। सप्लाई प्रभावित होने से आरोपियों को सिलेंडर की अच्छी कीमत मिल रही थी। लिहाजा आरोपी घर से केवल सिलेंडर ही चुराते थे। उल्लेखनीय है कि रात दिनों कोहेफाज में एक बिक्री के घर से बदमाशों ने चार सिलेंडर चुरा लिए थे। चोरी का

सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ था। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाले एक फरियादी ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह पत्नी और बच्चों के साथ विदिशा शादी में गया था। शादी से घर लौट बाहर वाले गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि हाल में रखा भारत कंपनी का गैस सिलेंडर और उसके ऊपर रखा कतथई रंग का बैग जिसमें मेरी गैस बुक, आधार कार्ड और पांच सौ रुपए की नगदी थी। सभी चोरी हो चुका था। पुलिस ने मुख्य रोड और गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। इस दौरान मुखबिर तंत्र का भी सहारा लिया गया।

बिना हेलमेट बाइक चलाने पर पुलिस ने चालक को रोका तो...

चालक बोला- माफ कर दो, आज के बाद बिना हेलमेट नहीं चलाएंगे

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

सड़क हादसों में होने वाली मौत का आंकड़ा कम करने के मकसद से ट्रैफिक पुलिस की ओर से इन दिनों विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जहां बिना हेलमेट दोपहिया चालकों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। तो इस दौरान जहां वाहन चालक तरह तरह के वाहने बना रहे हैं। कोई बोला माफ कर दो सर मां कसम अब कभी बिना हेलमेट नहीं चलाएंगे। तो कोई बोला सर मेरा घर पास ही किराने की दुकान से सामान लेने बस आया हूं। तो वहीं बड़ी संख्या में लोग चेकिंग के डर से भागते नजर आए। किसी ने अपनी गाड़ी चेकिंग पाइंट देखकर पीछे के पीछे मोड़कर भाग निकला। उल्लेखनीय है कि पुलिस का दवा है कि शहर में 22 पाइंट पर चेकिंग करते हुए करीब 560 ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर वाहन चलाने वालों के चालान काटे गए।

सड़क हादसे रोकने कार्रवाई: इन दिनों प्रदेश में 10 मई तक ट्रैफिक नियमों को लेकर चल रहा विशेष चेकिंग



यातायात पुलिस डीसीपी बसंत कौल ने बताया कि सड़क हादसों पर लगाम लगाने और यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए मप्र पुलिस बिना हेलमेट वाहन चलाने पर विशेष कार्रवाई की जा रही है। 26 अप्रैल से शुरू हुआ यह अभियान 10 मई तक चलेगा। इस अभियान के तहत मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन कर वाहन चलाने पर कार्रवाई की जा रही है।

केस-1 जवान ने पकड़ा लिया

स्थान भारत टॉकीज चौराहा,समय दोपहर करीब दो बजे इस चेकिंग पाइंट पर 45 मिनट में करीब 25 लोग बिना हेलमेट वाहन चलते पकड़े गए। पुलिस ने रोका तो गिड़गिड़ाते नजर आए। इस दौरान एसपी 04 एमजे 0474 के चालक ने पहले तो पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की। लेकिन ट्रैफिक जवान ने पकड़ लिया। इसके बाद चालाक बोला मां कसम सर अब बिना हेलमेट न गाड़ी चलाने की बात कही।

केस-2 आखिर बना चालान

स्थान जेके रोड समय करीब 1 बजे थे। यहां यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस की चेकिंग जारी थी। इस दौरान एक बाइक सवार बिना हेलमेट निकल रहा था। जिसको रोका तो ट्रैफिक जवानों ने पकड़ा तो वह गिड़गिड़ाते लगा। बोला साहब पहली बार गलती हुई है। अब आगे से हेलमेट पहनकर कर गाड़ी चलाएंगे। लेकिन पुलिस ने कोई नहीं सुनी चालान बना दिया।

राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट से मुसाफिरों की आवाजाही में करीब छह प्रतिशत की वृद्धि

हरिभूमि न्यूज़ ►►संतनगर

पहले की स्थिति से अपेक्षाकृत निरंतर राजा भोज एयरपोर्ट, भोपाल में यात्री आवागमन में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। अभी अमेरिका और ईरान युद्ध को लेकर कुछ समय को छोड़ा जाए तो अप्रैल 2026 के दौरान एयरपोर्ट ने वृद्धि के साथ बेहतर परिचालन प्रदर्शन किया है। 01 से 30 अप्रैल 2026 तक कुल 512 ने उड़ान भरी। 75,000 से अधिक यात्रियों ने आगमन किया।

प्रस्थान यात्री: 67,519 थी और कुल यात्री संख्या: 1,38,060 थी। जबकि अप्रैल 2025 कुल यात्री संख्या: 1,30,024 रही। इस प्रकार, अप्रैल 2026 में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 6 % की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में भोपाल से देश के प्रमुख शहरों के लिए बेहतर हवाई संपर्क उपलब्ध है।



अप्रैल में 512 ने मरी उड़ान

एयरपोर्ट से प्रतिदिन लगभग 34-36 निर्धारित उड़ान संचालन कर रही है। वर्तमान में दिल्ली के लिए प्रतिदिन 6-7 उड़ानें, मुंबई के लिए 4 उड़ानें, बेंगलुरु के लिए 2 उड़ानें, हैदराबाद के लिए 2 उड़ानें इसके अलावा रायपुर, पुणे एवं अहमदाबाद के लिए प्रतिदिन 1-1 उड़ान शामिल हैं। राजाभोज एयरपोर्ट पर डिजी यात्रा सुविधा सफलतापूर्वक संचालित हो रही है, जिसमें लगभग 30% यात्रियों द्वारा फेस-आधारित निर्बाध यात्रा सुविधा का उपयोग किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को तेज, सुरक्षित एवं

संपर्क रहित अनुभव प्राप्त हो रहा है। एयरपोर्ट प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा, बेहतर कनेक्टिविटी तथा सुव्यवस्थित संचालन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह वृद्धि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के सुदृढ़ होने तथा यात्रियों की बढ़ती मांग को दर्शाती है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि विमान यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है और राजाभोज एयरपोर्ट पर विमान यात्रियों को इंटरनेशनल एयरपोर्ट से भी अधिक सुविधा दी जा रही है।

क्षय उन्मूलन एवं एड्स नियंत्रण को लेकर हुई समीक्षा

वनरेबल पॉपुलेशन में प्रीसम्पटिव टीबी की अनिवार्य रूप से हो स्क्रीनिंग: डॉ. मनीष शर्मा



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के लक्ष्यों और उपलब्धियों का साप्ताहिक आधार पर विश्लेषण किया जाए। स्वास्थ्य संस्था आने वाले वनरेबल पॉपुलेशन की प्रीसम्पटिव टीबी के लिए अनिवार्य रूप से स्क्रीनिंग एवं प्रत्येक हितग्राही का निश्चय पोर्टल पर प्रविष्टि कर निश्चय आईडी बनाएं। यह निर्देश सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने शनिवार को जिला क्षय रोग केंद्र में क्षय उन्मूलन एवं एड्स

नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान दिए। डॉ. मनीष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 100 दिवस निश्चय अभियान की प्रगति और लक्ष्य प्राप्ति पर चर्चा हुई। बैठक में क्षय उन्मूलन जागरूकता, परीक्षण, संभावित टीबी मरीजों का स्यूटम कलेक्शन, निश्चय पोर्टल पर प्रिजिम्प्टिव आईडी तैयार करना, डॉट्स की उपलब्धता, उपचार सहायता, निश्चय पोर्टल पर पंजीकरण का मैदानी स्तर पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई।

गैस सिलेंडर चुराने वाला गिरफ्तार अच्छे दाम मिलने के कारण चुराने लगे थे सिलेंडर

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

रातीबड़ पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के पांच सिलेंडर जब्त किए हैं। आरोपी अपने साथी के साथ घरों से केवल सिलेंडर ही चुराते थे। दरअसल, इज़राइल अमेरिका द्वारा ईरान के साथ चल रहे युद्ध के कारण गैस सप्लाई प्रभावित हुई है। सप्लाई प्रभावित होने से आरोपियों को सिलेंडर की अच्छी कीमत मिल रही थी। लिहाजा आरोपी घर से केवल सिलेंडर ही चुराते थे। उल्लेखनीय है कि रात दिनों कोहेफाज में एक बिक्री के घर से बदमाशों ने चार सिलेंडर चुरा लिए थे। चोरी का

सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ था। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाले एक फरियादी ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह पत्नी और बच्चों के साथ विदिशा शादी में गया था। शादी से घर लौट बाहर वाले गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि हाल में रखा भारत कंपनी का गैस सिलेंडर और उसके ऊपर रखा कतथई रंग का बैग जिसमें मेरी गैस बुक, आधार कार्ड और पांच सौ रुपए की नगदी थी। सभी चोरी हो चुका था। पुलिस ने मुख्य रोड और गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। इस दौरान मुखबिर तंत्र का भी सहारा लिया गया।

सिटीजन फीडबैक पर भी फोकस, 6000 से ज्यादा सफाई मित्रों ने लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर राजधानी में दिल्ली से आने वाली सर्वेक्षण टीम के दौरे से पहले नगर निगम ने पूरे शहर में विशेष सफाई अभियान शुरू कर दिया है। बाजारों, मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थलों को चमकाने के लिए दिन-रात सफाई कराई जा रही है। कहीं पानी के टैंकों से सड़कों और बाजारों की धुलाई हो रही है तो कहीं थ्रिल, कुर्सियां और सोलर पैनल तक साफ किए जा रहे हैं।

निगम ने शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित दिखाने के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों को मैदान में उतार दिया है। करीब 150 कर्मचारी दिन में बाजारों और प्रमुख स्थलों पर सफाई, धुलाई और सौंदर्यीकरण का काम कर रहे हैं।



फुटपाथ की सफाई करते कर्मचारी ।

दीवारों पर सुंदर पेंटिंग

निगम अधिकारियों का कहना है कि राजधानी को देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। सफाई व्यवस्था के साथ-साथ सार्वजनिक सुविधाओं, कचरा प्रबंधन, दीवारों की पेंटिंग और बाजारों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आने वाले दिनों में शहर के अलग-अलग इलाकों में अभियान और तेज किया जाएगा।

महापौर-आयुक्त सिटीजन फीडबैक देने कर रहीं कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार सिटीजन फीडबैक को भी अहम माना जा रहा है। इसी कारण निगम अधिकारों बाजारों, कॉलोनिजों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। महापौर, आयुक्त,जनप्रतिनिधि और स्वच्छता बॉड एक्सेडर भी लोगों से शहर को नंबर-1 बनाने में सहयोग की अपील कर रहे हैं।

महापौर का तर्क

सभी के सहयोग से नंबर-वन राजधानी बनाएंगे महापौर मालती राय का कहना है कि भोपाल को देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने के लिए निगम, जनप्रतिनिधि और नागरिक मिलकर काम कर रहे हैं। हर वार्ड में अभियान चलाया जा रहा है।

पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं

निगमयुक्त जैन का कहना है कि स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर निगम पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है। शहरभर में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। बाजारों, मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थलों की लगातार धुलाई और सफाई करवाई जा रही है।

बरगी कूज हादसा

200 से ज्यादा जवानों की लगी हुई है टीम, अब तक जारी है रेस्क्यू ऑपरेशन

दो और बच्चों के शव मिले, अभी भी दो लोग लापता

हरिभूमि न्यूज

जबलपुर

कूज पायलट ने हादसे के लिए मांगी माफी कहा- मुझे मौसम खराब होने की पहले से नहीं थी जानकारी

बरगी बांध में कूज डूबने की घटना ने पूरे प्रदेश को रुला दिया। हादसे की भयाभयता और मां बेटे के लिपटे हुए शव लोगों की आंखों में तैर रहे हैं। तीसरे दिन भी जारी सर्च ऑपरेशन के दौरान रेस्क्यू टीम को शनिवार शाम 4 साल के विराज सोनी एवं 6 साल का श्रीतमिल का शव बरगी डैम से बरामद हुआ। अब मृतकों की संख्या 11 हो गई है। दिनभर तलाश **➡शेष पेज 4 पर**

तो, मैं कूज को पानी में उतारता ही नहीं

जबलपुर में पकड़े गए कूज पायलट महेश पटेल ने हादसे के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि मौसम की पहले से जानकारी नहीं थी, नहीं तो माफी मांगी है।

कूज को पानी में नहीं उतारते। एमपी टूरिज्म के अधिकारियों को पूछताछ में पटेल ने बताया है कि उसने हादसे के लिए अपनी जिम्मेदारी स्वीकारते हुए माफी मांगी है।

तलाशी अभियान जारी

फ्लॉट उपलब्ध है

मोपाल की सबसे ज्यादा विकासशील लोकेशन

अयोध्या बायपास

10 लेन रोड और 66 फीट मेन रोड

महोली खोजक की प्राइम लोकेशन में डेवलपमेंट, सर्वसुविधायुक्त,

पीपुल्स मॉल, पीपुल्स हास्पिटल, मीनाल मॉल और मेन मार्केट के नजदीक

संपर्क- 9755600569

8200502943, 7748022609

inh

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY airtel

चैनल नं. 1155 चैनल नं. 366

आज का मुकाबला

एसआरएव केकेआर

टोपहर 3.30 बजे से

जीटी पीबीकेएस

शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

पश्चिम बंगाल विस चुनाव के नतीजे कल नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए राज्य में दो चरणों में मतदान हो चुका है। दोनों चरणों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान के बाद अब सबकी निगाहें चार मई की ओर लगी हैं। शांतिपूर्ण मतगणना के लिए चुनाव आयोग ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने की अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की तैनाती भी की है।

प्रसार भारती के अध्यक्ष नियुक्त हुए प्रसून जोशी नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने प्रख्यात गीतकार, लेखक और संचार विशेषज्ञ प्रसून जोशी को सरकारी प्रसारण सेवा प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया है। जोशी की नियुक्ति पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बधाई देते हुए कहा कि प्रसार भारती को एक नई रचनात्मक आवाज मिलेगी। दिसंबर 25 में नवनीत सहगल के इस्तीफे के बाद पद खाली था।

सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा कड़ी जांच के बाद ही मिलेगी एंट्री

हरिभूमि न्यूज

मोपाल

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा 3 मई को नीट (यूजी) 2026 परीक्षा आयोजित की जा रही है। भोपाल शहर में 33 केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा समय दोपहर 2 से 5 बजे रहेगा। हालांकि, प्रतिभागियों को सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक केंद्र पर पहुंचना होगा। कड़ी जांच के बाद केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा।

प्रतिभागियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि दोपहर 1:30 बजे के बाद किसी भी प्रतिभागी को किसी भी स्थिति में केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रतिभागियों को सलाह दी गई है कि परीक्षा केंद्र पर किसी भी प्रकार की अवांछित सामग्री अपने साथ न लेकर जाएं। हल्के कपड़े तथा हल्के जूते (सैंडल) पहनें। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा सभी परीक्षार्थियों को लिखने के लिए काला बॉल पेन केंद्र पर ही उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा किसी भी प्रकार की लेखन सामग्री वर्जित रहेगी। सभी प्रतिभागियों के प्रवेश-पत्र केंद्र पर ही जमा कराए जाएंगे, इसलिए परीक्षार्थी अपने प्रवेश-पत्र **➡शेष पेज 4 पर**

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बरगी कूज हादसा

200 से ज्यादा जवानों की लगी हुई है टीम, अब तक जारी है रेस्क्यू ऑपरेशन

दो और बच्चों के शव मिले, अभी भी दो लोग लापता

हरिभूमि न्यूज

जबलपुर

कूज पायलट ने हादसे के लिए मांगी माफी कहा- मुझे मौसम खराब होने की पहले से नहीं थी जानकारी

बरगी बांध में कूज डूबने की घटना ने पूरे प्रदेश को रुला दिया। हादसे की भयाभयता और मां बेटे के लिपटे हुए शव लोगों की आंखों में तैर रहे हैं। तीसरे दिन भी जारी सर्च ऑपरेशन के दौरान रेस्क्यू टीम को शनिवार शाम 4 साल के विराज सोनी एवं 6 साल का श्रीतमिल का शव बरगी डैम से बरामद हुआ। अब मृतकों की संख्या 11 हो गई है। दिनभर तलाश **➡शेष पेज 4 पर**

तो, मैं कूज को पानी में उतारता ही नहीं

जबलपुर में पकड़े गए कूज पायलट महेश पटेल ने हादसे के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि मौसम की पहले से जानकारी नहीं थी, नहीं तो माफी मांगी है।

कूज को पानी में नहीं उतारते। एमपी टूरिज्म के अधिकारियों को पूछताछ में पटेल ने बताया है कि उसने हादसे के लिए अपनी जिम्मेदारी स्वीकारते हुए माफी मांगी है।

तलाशी अभियान जारी

‘सस्टेनेबल फ्यूचर इनोवेशंस इन ग्रीन बिल्डिंग प्रैक्टिसेस’ विषय पर भोपाल में राष्ट्रीय सेमिनार

इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस की 113 गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग के शुभारंभ पर बोले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ग्लोबल वॉर्मिंग आज अलार्मिंग हो चुकी हम ग्रीन बिल्डिंग तकनीक को अपना रहे

हरिभूमि न्यूज

मोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विकास हमारी प्राथमिकता है, किंतु अधोसंरचना विकास में राशि का सदुपयोग हो, इन बिन्दुओं के साथ ही हम ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग आज अलार्मिंग हो चुकी है, यह मुख्य चुनौती बनकर सामने आई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान **➡शेष पेज 4 पर** **➡पढ़ें पेज 02 भी**

लोक निर्माण विभाग व इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस का ये आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेमिनार का शुभारंभ किया

सीएम ने कहा कि वर्तमान की बड़ी चुनौती यह है कि हम कांक्रिट के बढ़ते जंगलों और सिमटते प्राकृतिक संसाधनों के बीच खड़े हैं। ऐसे में पर्यावरण अनुकूल निर्माण को प्रोत्साहित करना आवश्यक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेमिनार का शुभारंभ किया

सस्टेनेबल फ्यूचर केवल विचार नहीं, बल्कि एक निम्नोदारी: मंत्री सिंह

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश के बेहतर भविष्य के लिए नवाचारों के साथ अधोसंरचना विकास को गति प्रदान कर रहा है। प्रदेश में टिकाऊ निर्माण के लिए भारतीय प्राचीन निर्माण तकनीक पर हम आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने वैदिक घड़ी को सराहा है। इस घड़ी के निर्माण का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जाता है। प्रदेश में बनने वाले सभी भवन अब ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर बनाए जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग ने अपने प्रशिक्षण कैलेंडर में ग्रीन बिल्डिंग तकनीक को शामिल किया है।

पीडब्ल्यूडी-आईआईटी इंदौर के बीच निर्माण तकनीक के विकास पर एमओयू

लोक निर्माण विभाग ने गुहा संस्था के साथ भी साइन किया एमओयू

जीपीएस का भौगोलिक केंद्र उज्जैन के पास डोंगला में

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान दौर में जीपीएस एक नई तकनीक है, लेकिन पृथ्वी का भौगोलिक केंद्र उज्जैन के पास डोंगला में है। यह प्राचीन काल से समय गणना का मुख्य केंद्र माना जाता है। तत्कालीन गणना की सटीकता इससे सिद्ध होती है कि वर्तमान में भी निश्चित तिथियों पर मौसम में बदलाव का अनुभव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तुंगभद्रा **➡शेष पेज 4 पर**

विश्वविद्यालय भवन

वडोदरा की एमएसयू यूनिवर्सिटी ने शुरू किया नया कोर्स अब मोदी तत्व और ‘संघ’ का इतिहास भी पढ़ेंगे छात्र

समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि मोदी एक ऐसे तत्व हैं जो लंबे समय तक बने रहेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली

गुजरात के वडोदरा स्थित प्रसिद्ध महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम में एक बड़ा बदलाव किया है। विश्वविद्यालय ने अपने समाजशास्त्र के सिलेबस में मोदी तत्व नाम का

एक नया मॉड्यूल शामिल किया है। इस कोर्स के जरिए छात्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व और समाज पर इसके प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन करेंगे। इसके साथ ही पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास और सामाजिक योगदान को भी जगह दी गई है। समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि यह नया विषय एमए समाजशास्त्र के दो साल **➡शेष पेज 4 पर**

दहेज के दानव की ऐसी हैवानियत बाइक और स्मार्टफोन मांग रहे दामाद ने सास को बैट से मारा

बीच-बचाव करने आई प्रेग्नेंट पत्नी को धक्का देकर गिराया

हरिभूमि न्यूज

पन्ना

बुजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अहिरगांव के ऊड़की गांव में एक युवक ने अपनी सास की हत्या कर दी। आरोपी ने लकड़ी के बैट से सास को मरते दम तक पीटा। घटना शुक्रवार देर रात 9.30 से 10 बजे के बीच की थी। मृतका की पहचान रीता राय (50) के रूप में हुई। मृतका **➡शेष पेज 4 पर**

नक्सल मुक्त होने के बाद की पहली घटना कांकेर में आईईडी ब्लास्ट में 4 जवान शहीद, डिटेक्शन के दौरान हुआ हादसा

ब्लास्ट की चपेट में चार जवान आ गए थे

हरिभूमि न्यूज

कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में शनिवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। डीमाइनिंग अभियान के दौरान आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के 4 जवान शहीद हो गए। यह घटना कांकेर- **➡शेष पेज 4 पर**

राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया

सऊदी अरब में शौहर ने किया था निकाह

पुणे में 4 साल की बच्ची से रेप और हत्या 65 साल का आरोपी गिरफ्तार सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी

एजेंसी

पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने 4 साल की बच्ची से रेप के बाद पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने 65 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्ची पुणे **➡शेष पेज 4 पर**

एजेंसी

आंबेडकरनगर

अकबरपुर के मीरानपुर मोहल्ले में शनिवार की दोपहर तीन बजे एक घर में बिस्तर पर चार बच्चों के खून से लथपथ शव मिले। घर का दरवाजा अंदर से बंद था और बच्चों की मां घर से गायब थी। बताया जा रहा है कि **➡शेष पेज 4 पर**

देशभर में मोबाइल पर अलर्ट मैसेज सरकार ने की इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली

देशभर में शनिवार सुबह 11:45 बजे कई मोबाइल फोन पर एकसाथ सायरन की आवाज सुनाई देने लगी। स्क्रीन पर हिंदी-अंग्रेजी में एक मैसेज था। सायरन बंद हुआ तो मोबाइल पर मैसेज पढ़कर भी सुनाया गया। इससे **➡शेष पेज 4 पर**

रायसेन में 43.2 और नरसिंहपुर में 42.2 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान दर्जन भर जिलों में तेज आंधी व बारिश, रायसेन में वेयरहाउस की छत उड़ी, 2 किमी तक खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में रखी फसल भीगी

मोपाल में धूप के बाद आंधी के साथ बारिश

भोपाल में दिनभर धूप के बाद तेज आंधी चली और कई इलाकों में बारिश हुई। अचानक बदले इस मौसम से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं तेज हवाओं के कारण कुछ स्थानों पर अव्यवस्था भी देखने को मिली। तेज हवाओं की वजह से धूल उड़ी, जिससे वाहन चालकों को दिक्कत हुई।

रातीबड़ में बरगद का पेड़ मकान पर गिरा

भोपाल के रातीबड़ इलाके के बेरखेड़ी में तेज आंधी के दौरान बरगद का पेड़ मकान पर गिर गया। हादसे में घर को नुकसान पहुंचा है। यह गनीमत रही कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। निगम के अमले ने मौके पर पहुंचकर पेड़ को हटाया।

हरिभूमि न्यूज

मोपाल

प्रदेश में गर्मी की तपिश के साथ आंधी-बारिश भी जारी है। शनिवार को दोपहर बाद से भोपाल, रायसेन, सीहोर, गुना, बालाघाट, नर्मदापुरम, बैतूल समेत एक दर्जन जिलों में आंधी बारिश का दौर जारी है। रायसेन के कई गांवों में तेज आंधी चली, जिससे छुछार गांव में हरशिव वेयरहाउस की टैन की छत उड़ गई, जिससे इसमें रखी **➡शेष पेज 4 पर**

गंजबासीदा में खरीदी केंद्र पर ट्रॉलियों में रखा गेहूँ भोग गया

जनसामान्य की पहल से जल संरक्षण में मध्यप्रदेश बनेगा आदर्श और अनुकरणीय राज्य

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल ही जीवन है, जल संरक्षण ही सुरक्षित भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पानी को सहेजने के कार्य में जन-जन को जोड़ा जा रहा है।

मप्र में जनभागीदारी आधारित जल संचय अभियान में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि केवल एक रैंक नहीं बल्कि प्रदेशवासियों की जागरूकता, सहभागिता और भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जल संरक्षण और प्रकृति अनुरूप रहन-सहन की व्यवस्था भारतीय जीवनशैली और परंपराओं में सदियों से रची-बसी है।

खास बातें

- जल संरक्षण ही सुरक्षित भविष्य की सबसे मजबूत नींव
- मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण के लिए प्रदेशवासियों से किया आह्वान



उद्बोधन देते सीएम।

साफ-सफाई के कार्य से जुड़े

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में कही। उन्होंने कहा कि हमारे यहां नदी-तालाब-कुओं की साफ-सफाई को पुण्य कार्य माना गया है। इन गतिविधियों के धार्मिक महत्व को देखते हुए गंगा दशहरा 25 मई को जल स्रोतों के आस-पास साफ-सफाई और पौधरोपण के लिए श्रमदान तथा अन्य गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इन गतिविधियों का पुण्य प्राप्त करने के लिए अधिक से अधिक नागरिक गंगा दशहरा पर अपने आस-पास के जल स्रोतों और जल संरचनाओं की साफ-सफाई तथा रखरखाव के कार्य से जुड़ें। जनसामान्य की यह पहल मप्र को जल संरक्षण में एक आदर्श व अनुकरणीय राज्य के रूप में देश में प्रस्तुत करेगी।

पारिवारिक और व्यक्तिगत स्तर पर भी पहल करना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संचय भागीदारी अभियान में मप्र राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम रहा है। अभियान के तहत प्रदेश में 5 लाख 64 हजार 119 कार्य पूर्ण हुए हैं। जिला स्तर पर डिण्डोरी और खण्डवा जिले देश में क्रमशः प्रथम और द्वितीय रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पढ़ियों को बेहतर, सुरक्षित और सस्टेनेबल धरती सौंपना हमारा दायित्व है, जो बिना पर्याप्त जल की उपलब्धता के संभव नहीं है। अतः जल संरक्षण के कार्य में जन-जन को जोड़ना जरूरी है। उन्होंने पंचायतों, नगरीय निकायों, सामाजिक-धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्व-सहायता समूहों, व्यापारिक संगठनों तथा अन्य सभी संस्थाओं से पानी बचाने की गतिविधियों में जुड़ने का आह्वान किया।

जल संरक्षण के लिए स्कूल, कॉलेज और संस्थाएं कर रही हैं जन-जन को प्रेरित

सीएम ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत राज्य सरकार, नगरीय और ग्राम स्तर पर अनेक गतिविधियां संचालित कर रही है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 2 लाख 43 हजार 887 कार्यों के लिए 6 हजार 232 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश में 45 हजार 132 खेत-तालाब, 68 अमृत सरोवर, 77 हजार 975 डगवेल रिचार्ज औ वॉटर शेड से संबंधित 3 हजार 346 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। नगरीय क्षेत्र में भी तालाबों, कुओं, बावड़ियों की अतिक्रमण मुक्त करने, नाले-नालियों की साफ-सफाई आदि का कार्य जारी है। नगरीय निकायों की ओर से 3 हजार 40 रेन वॉटर हार्वेस्टिंग इकाईयां स्थापित की गई हैं। जन सहयोग से बड़े पैमाने पर प्लाउ सेवा संचालित की जा रही है। स्कूल, कॉलेजों और जन अभियान परिषद से जुड़ी संस्थाओं के माध्यम से अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में किसानों के खून-पसीने से उपजा एक-एक दाना खरीदा जाएगा: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज लापरवाही, गड़बड़ी पर 34 सर्वेयर्स हटाए गए, विदिशा में दो सर्वेयर्स पर मामला दर्ज

खरीदी सीमा 78 लाख से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दी गई है

किसान हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए गए

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मप्र के तीन जिलों की समीक्षा में कुछ स्थानों पर सर्वेयर्स की शिकायतें मिली थीं, उन पर कार्रवाई करते हुए कई सर्वेयर्स को हटाया गया है। विदिशा जिले में दो के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तीनों जिलों की समीक्षा में कहा कि यदि खरीदी में कहीं भी लापरवाही या गड़बड़ी पाई जाती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि, उनके खून-पसीने की मेहनत से उपजाया गया एक-एक दाना पूरी तरह से खरीदा जाएगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान शनिवार को विदिशा पहुंचे। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के चारों जिले रायसेन, विदिशा, सोहोरा और देवास में गेहूं उपार्जन की समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि, किसानों



फाइल फोटो।

से उपार्जन और गेहूं खरीदी का काम निरंतर जारी है। विदिशा संसदीय क्षेत्र के चारों जिलों में खरीदी की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई है। अब व्यवस्थाओं में तेजी से सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले स्लॉट बुकिंग को लेकर जो समस्याएं सामने आ रही थीं, अब उनका समाधान कर लिया गया है और 80 फीसदी से भी ज्यादा किसानों के स्लॉट बुक हो चुके हैं। साथ ही सत्यापन से जुड़ी दिक्कतों को भी दूर किया गया है।

किसानों का एक-एक दाना खरीदा जाएगा

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि खरीद केंद्रों पर तुलाई क्षमता बढ़ाकर अब प्रतिदिन 2250 विंटल तक कर दी गई है, साथ ही कांटों की संख्या भी बढ़ाई गई है। बारदानों की कमी को दूर करते हुए अगले तीन दिनों के लिए सभी केंद्रों पर पर्याप्त बारदाने उपलब्ध करा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्लॉट बुकिंग, कांटे और बारदानों से जुड़ी सभी प्रमुख समस्याओं का समाधान हो चुका है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर खरीदी कार्य तेज गति से जारी है। किसानों की सुविधा के लिए केंद्रीय रूम स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया है, ताकि किसी भी व्यक्तिगत समस्या का तुरंत समाधान किया जा सके।

भोपाल में बारिश से खरीदी केंद्रों पर भीगा गेहूं, किसानों ने लगाए आरोप, पर्याप्त व्यवस्था नहीं



भोपाल में शनिवार को हुई तेज बारिश के कारण खरीदी केंद्रों पर गेहूं बेचने पहुंचे किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। केंद्र कैंबों पर ट्रैक्टर-ट्रॉल्लों में रखा गेहूं भीग गया। हालांकि

किस केंद्र पर कितना गेहूं खराब हुआ, इसकी अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। किसानों का आरोप है कि सरकार ने खरीदी ढेर से शुरू की और शुरुआत में 2 हेक्टेयर से अधिक जमीन वाले किसानों के लिए स्लॉट भी नहीं खोले गए। अब स्लॉट खुलने के बावजूद समय पर तुलाई नहीं हो पा रही, जिससे किसानों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। बारिश के दौरान कई किसानों ने तिरपाल डालकर गेहूं बचाने की कोशिश की, लेकिन पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से नुकसान हुआ। किसानों ने मांग की है कि खरीदी केंद्रों पर बेहतर इंतजाम किए जाएं और भीगे गेहूं को भी समर्थन मूल्य पर खरीदा जाए।

6.91 लाख किसानों से 34.73 लाख मीट्रिक टन गेहूं का हुआ उपार्जन

मप्र में अभी तक 6 लाख 91 हजार किसानों से 34 लाख 73 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। अभी तक 14 लाख 64 हजार किसानों की ओर से गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुक कराए गए हैं। किसानों के हित में गेहूं उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई तक की गई। प्रत्येक उपार्जन केंद्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया।

जनगणना संबंधी महत्वपूर्ण कार्य में उदासीनता एवं लापरवाही बरतने पर वार्ड क्र. 51 की वार्ड प्रभारी निलंबित

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

भारत की जनगणना-2027 संबंधी महत्वपूर्ण कार्य दायित्वों में उदासीनता एवं लापरवाही बरतने पर वार्ड क्र. 51 की वार्ड प्रभारी बबिता कापसे (मूलपद सहायक राजस्व निरीक्षक) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

निगम के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार वर्तमान में संपादित किये जा रहे जनगणना- 2027 संबंधी महत्वपूर्ण कार्य में वार्ड क्र. 51 की वार्ड प्रभारी श्रीमती बबिता कापसे को मकान सूचीकरण कार्य हेतु प्रणगक/

सुपरपाइजर्जों को उनके कार्य क्षेत्र को स्पष्ट पहचान कराये जाने का दायित्व संबंधित चार्ज अधिकारी-06 द्वारा सौंपा गया है परंतु दूरभाष पर सूचित किये जाने के उपरांत भी कापसे आज दिनांक तक अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित नहीं हुई जिससे जनगणना-2027 जैसे राष्ट्रीय महत्व का कार्य प्रभावित हुआ है। कापसे का उक्त कृत्य गंभीर लापरवाही, उदासीनता एवं कदाचार की श्रेणी में आता है। कापसे को जनगणना-2027 के अंतर्गत कार्य दायित्वों में उदासीनता एवं लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया गया है।

सांसद आलोक ने पुलिस आयुक्त से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने शनिवार को पुलिस कमिश्नर संजय कुमार से मुलाकात कर शहर में ढेर रात मार्केट बंद होने के मामले में चर्चा की और एक पत्र सौंपा है। सांसद शर्मा ने भोपाल के सभी मार्केट एक समय पर बंद करने की बात कही। सांसद शर्मा ने कहा कि भोपाल में मार्केट बंद होने के दो कानून प्रचलित है, जिस पर पुलिस को सख्ती से अंकुश लगाना चाहिए।

उन्होंने कहा पुराने भोपाल शहर में रातभर दुकानें खुली रहती है, जहां पर आपराधिक गतिविधियों को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने रात सोने के लिए बनाई है। घर पर अब्बू, अम्मी इंतजार करते हैं कि बेटा आएगा और धर्म दवाई देगा लेकिन बेटा तो रातभर बिरयानी की दुकान और मार्केट में ही बिताता है। ये चिंता आज कई परिवारों की है। युवा गलत रास्ता अपना लेते हैं। सांसद शर्मा को पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने शहर के सभी मार्केट्स एक समय पर बंद कराने की कार्यवाही सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया है।



इन क्षेत्रों पर हुई चर्चा

सांसद शर्मा ने पुलिस आयुक्त से मुलाकात के दौरान बताया कि अभी भोपाल शहर में दो कानून प्रचलित हैं, न्यू मार्केट, एमपी नगर, सेंट हिरदाराम नगर, बीएचआईएल बरखेड़ा, इंदूपुरी सोनागिरि, 6 नंबर मार्केट, 10 नंबर मार्केट, लखेरपुरा, सरफा चौक आदि रात में 10 बजे तक बंद हो जाते हैं। जबकि पुराने भोपाल शहर के मार्केट्स काजीकैंप, लक्ष्मी टॉकीज, बसस्टैंड, रेलवे स्टेशन, रॉयल मार्केट जीपीओ, इमामी गेट, राजू टी-स्टाल, जिंसी-जहांगीराबाद, सल्लन चौराहा, इतवार, बुधवार क्षेत्र की दुकानें रातभर खुली रहती हैं जिससे आपराधिक

भोपाल वक्फ की जागीर नहीं

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भोपाल वक्फ की जागीर नहीं है। शहर में कहीं भी डेवलपमेंट के काम करने जाएं तो खड़े हो जाते हैं कि यह वक्फ की जमीन है। किसी को बेचर नहीं किया जाएगा लेकिन शहर के अंदर सरकारी जमीन पर किसी को भी अतिक्रमण करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। वक्फ के नाम पर किसी को भी अवैध कब्जा नहीं करने दिया जाएगा।

भाजपा सरकार पर तीखा हमला, कांग्रेस का आरोप ‘राजनीतिक जिम्मेदारी शून्य’

मध्य प्रदेश में शासन व्यवस्था पूरी तरह विफल, केंद्र सरकार करे हस्तक्षेप

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में लगातार हो रहे बड़े हादसों, सामूहिक मौतों, किसानों की बदहाली, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार तथा प्रशासनिक अव्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में शासन व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और अब केंद्र सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। पटवारी ने कहा कि प्रदेश में लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिनमें सामूहिक रूप से लोगों की जान जा रही है। यह केवल हादसे नहीं, बल्कि सरकार की लापरवाही से हो रही मौतें हैं। राजनीतिक जिम्मेदारी पूरी तरह शून्य हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि ये इस गंभीर स्थिति को लेकर महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को पत्र लिख रहे हैं, ताकि मध्य प्रदेश की विफल शासन व्यवस्था पर केंद्र सरकार संज्ञा ले। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पानी तक सुरक्षित नहीं है, जहरीले पानी से लोगों की जान जा रही है। दवाइयों की लापरवाही से 26 बच्चों की मौत होना अत्यंत दुःखद और शर्मनाक है। एनजीटी को आपसियों के बावजूद क्रूर संचालन किया गया, जिसकी लापरवाही से 9 लोगों की जान गई। बरगी डैम से जब शव निकाले जा रहे थे, उस समय मुख्यमंत्री राजभवन में लोक नृत्य देखने में व्यस्त थे। यह संवेदनहीनता की चराकाशा है।



जीतू पटवारी।

आदिवासी भाइयों-बहनों की जान जा रही

पटवारी ने कहा कि आदिवासी अंचलों में परिवहन व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क हादसों में लगातार आदिवासी भाइयों-बहनों की जान जा रही है। प्रदेश में अपराध, भ्रष्टाचार और अत्याचार चरम पर है। अगर आज मध्य प्रदेश में सर्वे करा लिया जाए, तो 10% लोग भाजपा को चुनेंगे और 90% लोग कांग्रेस को। अब भाजपा सरकार की प्रदेश से उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

पानी भराव से किसानों का अनाज खराब हो गया

किसानों के मुँह पर पटवारी ने कहा कि बारिश, ओलावृष्टि और पानी भरव से किसानों का अनाज खराब हो गया। प्रदेश में 245 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन हुआ, लेकिन किसानों की मजबूरी में कम दामों पर गेहूं बेचना पड़ा।

सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही है। उन्होंने मांग की कि गेहूं और धान की भराव रद्द किया जाए। किसानों को तत्काल दी जाए। उन्होंने घोषणा की कि किसानों के हित में 7 तारीख को बड़वाली से मुरैना तक नेशनल हाईवे जाम किया जाएगा।

70 वर्षों से बसे गरीब परिवारों को हटाया जा रहा

भोपाल में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर पटवारी ने कहा कि यह भाजपा का पड़चं रह है। एक संस्था का परिसर बाढ़ाने के लिए 70 वर्षों से बसे गरीब परिवारों को हटाया जा रहा है। न्यायालय भी ऐसे मामलों में गरीबों के दद को समझे। गरीब परिवारों की बहुआ भाजपा सरकार को लगोगी। निगम-मंडलों में नियुक्तियों पर उन्होंने कहा कि सरकार केवल बंदरबांट कर रही है। कर्ज लेकर सरकार चलाई जा रही है और भाजपा नेताओं को उपकृति तथा फल है। मध्य प्रदेश में शासन पूरी तरह हो चुका है।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का आदेश

आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान प्राथमिक शिक्षकों को मैरिट के आधार पर दें लाभ

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मप्र हाईकोर्ट ने आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान प्राथमिक शिक्षकों को मैरिट के आधार पर लाभ प्रदान करने का राहतकारी निर्देश दिया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने इसके तहत स्कूल शिक्षा विभाग से पूर्व मुख्यमंत्री आदिवासी कल्याण विभाग अंतर्गत की गई सेवा अवधि को जोड़ने और शत-प्रतिशत वेतन देने को कहा है। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी प्रवीण कुमार कुर्मी सहित अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर

सिंह ठाकुर ने दलील दी कि आयुक्त लोक शिक्षण ने हाईकोर्ट के पूर्व आदेश की मनमानी व्याख्या कर आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान प्राथमिक शिक्षकों को आदिवासी कल्याण विभाग में दो वर्ष से अधिक की गई सेवा का लाभ न देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग में नए सिरे से पदस्थाना की व्यवस्था दे दी थी। इससे याचिकाकर्ताओं को आर्थिक के साथ वरिष्ठता का नुकसान हो रहा था। दरअसल, पसंद की शालाओं में पदस्थाना न देते हुए पूर्व में जनजातीय कार्य विभाग की शालाओं में, जो उनके निवास से 400 से 900 किलोमीटर दूर थीं।

जवाहर बाल उद्यान में होगी पेंटिंग प्रतियोगिता स्व. विजेश लुनावत की पुण्यतिथि पर होगी कार्यक्रमों की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

प्रदेश भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष स्व. विजेश लुनावत की 5वीं पुण्यतिथि पर विजेश लुनावत स्मृति फाउंडेशन इस वर्ष विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करे जा रहा है। विजेश लुनावत स्मृति फाउंडेशन की हिमता लुनावत के अनुसार, पुण्यतिथि के कार्यक्रमों की शुरुआत 3 मई को सुबह 8 बजे से होगी। 3 मई को स्थानीय जवाहर बाल उद्यान (5 नंबर स्थित तालाब किनारे पार्क) में बच्चों के लिए एक विशाल पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिससे दो

आयु समूहों में विभाजित किया गया है। दोनों आयु समूहों की प्रतियोगिता पर्यावरण से जुड़े दो विभिन्न विषयों पर आधारित होगी। 6 से 10 वर्ष के लिए जल ही जीवन है और 10 से 17 वर्ष के लिए ग्रीन भोपाल, क्लीन भोपाल विषय रखा गया है। प्रतिभागियों को रंग (कलर्स) और शीट पार्क में ही फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। पेंटिंग प्रतियोगिता के साथ-साथ अभिभावक, फाउंडेशन के सदस्य और समाजसेवी तालाब किनारे स्थित पार्क को स्वच्छ करने के लिए सामूहिक रूप से श्रमदान करेंगे।



ट्रेन सेट अत्याधुनिक सीमेंस प्रोपल्शन सिस्टम से सुसज्जित रायबरेली आरेडिका ने पहला वंदे भारत ट्रेनसेट भेजा: डायनेमिक टेस्टिंग के लिए हुआ रवाना

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका), रायबरेली ने अपना पहला 16-कोच वंदे भारत चेंबर कार ट्रेनसेट डायनेमिक टेस्टिंग और फील्ड ट्रायल के लिए रवाना किया है। इस उपलब्धि के साथ, आरेडिका अब वंदे भारत ट्रेनसेट निर्माताओं की सूची में शामिल हो गया है। यह ट्रेन सेट अत्याधुनिक सीमेंस प्रोपल्शन सिस्टम से सुसज्जित है।

वंदे भारत की यात्रा, जो वर्ष 2018 में मात्र दो ट्रेनसेट से प्रारंभ हुई थी, शनिवार को अपने 100वें ट्रेनसेट के महत्वपूर्ण पड़ाव की ओर अग्रसर है। यह उपलब्धि भारत के कोच

निगमकर्मियों को हर माह 4 तारीख तक मिलेगा वेतन

भोपाल। नगर निगम के कर्मचारियों को अब हर माह वेतन के भुगतान में देरी नहीं होगी। उन्हें हर माह की 4 तारीख तक वेतन जारी हो जाएगा। नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने अपर आयुक्त वित्त से इस संबंध में जानकारी लेकर हर माह 4 तारीख को वेतन जारी करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल बीते माह निगम के कर्मचारियों को 15 तारीख के बाद वेतन जारी किया गया था। इसके कारण निगम को पीएफ भुगतान में पैनाल्टी का सामना करना पड़ा। वहीं लंबे समय से कर्मचारी संगठन भी कर्मचारियों की इस समस्या को लेकर लगातार निगम प्रशासन से मांग कर रहे थे। इस आदेश के बाद निगमकर्मियों को लाभ मिल सकेगा।

राजधानी की बिजली व्यवस्था को बेहतर करने और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली सुधार महाअभियान शुरू किया है।

भोपाल के अंतर्गत आने वाले सभी 27 ज़ोनों में पुराने और रिक्डीशनिंग योग्य ट्रांसफार्मरों को चिन्हित कर लिया गया है, जिन्हें अगले तीन दिनों के भीतर बदलने की कार्रवाई की जा रही है। महाअभियान में मैदानी स्तर पर कर्मचारियों व अधिकारियों की सक्रियता बनी रही। दो दिन शहर के



विभिन्न ज़ोनों में 60 से ज्यादा ट्रांसफार्मर रिक्डीशनिंग के लिए बदले गए, जबकि 44 ट्रांसफार्मरों की लोड बैलेंसिंग का कार्य पूरा किया गया। कंपनी द्वारा आगामी तीन दिनों में लक्ष्य निर्धारित कर शहर वृत्त भोपाल में कुल 162 ट्रांसफार्मर बदले जाएंगे और 648 चयनित ट्रांसफार्मरों की लोड बैलेंसिंग की जाएगी।

पांच घंटे तक 40 से ज्यादा दमकलें आग पर काबू पाने जुटी रहीं, देर रात तक उठता रहा धुआं

आदमपुर खंती आग से फिर धधकी, 10 किमी दूर से दिखा धुआं 20 फीट तक ऊंची उठीं आग की लपटें, चपेट में आई कई मशीनें

हरिभूमि न्यूज़

मोपाल

रायसेन रोड स्थित आदमपुर खंती में शनिवार को सुबह करीब 9 बजे कचरे में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने बड़े क्षेत्र को अपने चपेट में ले दिया और धुएं का गुबार आसमान में छा गया। इससे आसपास के ग्रामीण इलाकों में दहशत फैल गई। आग की चपेट में आने से कई मशीनें भी जल गईं। हालांकि किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। आग से उठा धुआं 10 किमी दूर से दिखाई दिया और 20 फीट तक ऊंची आग की लपटें उठीं। अचानक कचरे के ढेर से धुआं उठता देख खंती में मौजूद कर्मचारी दौड़े और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन फैलाव होते देखकर शहर से दमकलें बुलाई गईं। आग की चपेट में आने से कई पोकलेन व अन्य मशीनें जल गईं। आग पर काबू पाने में पांच घंटे लगे, जबकि देर रात तक धुआं निकलता रहा। 40 से ज्यादा दमकलें आग पर काबू पाने में लगीं।

ग्रामीणों के अनुसार आग शनिवार सुबह करीब 9 बजे कचरे के ढेर से भड़की। अचानक उठे धुएं को देखकर आसपास के ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल बन गया। खंती में मौजूद कर्मचारियों ने जैसे ही धुआं निकलते देखा, तुरंत दमकल कर्मियों को सूचना दी गई। मौके पर मौजूद दमकलें आग बुझाने में जुट गईं। स्थिति को देखते हुए शहर से भी दमकलें मौके पर भेजी गईं। आग पर काबू पाने फायर फाइटर्स को खासी मशकत करनी पड़ी। हालांकि निगम प्रशासन ने किसी भी मशीन के जलने से इंकार किया है। लगातार आदमपुर खंती में आगजनी की घटनाओं को लेकर एनजीटी सख्त कदम उठा सकता है।

7 लाख टन कचरे का है पहाड़

आदमपुर कचरा खंती में करीब 7 लाख टन कचरे का पहाड़ जमा है। गर्मी और कचरे के मौसम बनने वाली गर्मियों के कारण यहां समय-समय पर आग लगने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। बीते 46 दिनों में आग लगने की यह दूसरी बड़ी घटना है।

आदमपुर खंती में कब-कब लगी आग

22 मार्च 2023 आग भड़की, कई घंटे की मशकत के बाद काबू पाया गया
जून 2023 तेज गर्मी के दौरान कचरे में आग सुलगती रही, दमकलों ने बुझाया
जनवरी से दिसंबर -2024 खंती में कई बार आग लगने की घटनाएं सामने आईं
अप्रैल 2025 कचरे में लगी आग तीन दिनों तक सुलगती रही, जहरीला धुआं फैला
16 मार्च 2026 दोपहर कचरे में आग लगी, तीन घंटे में काबू पाया
2 मई 2026 सुबह 9 बजे लगी आग, पांच घंटे में काबू पाया

निगम का तर्क- मशकत के बाद आग पर काबू पाया, नुकसान नहीं

नगर निगम के फायर अधिकारी सौरभ पटेल ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने पर मौके पर दमकलें भेजी गईं। खंती परिसर में मौजूद चार दमकलों से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। काफी देर मशकत के बाद आग पर काबू पाया। आग से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। परिसर में मशीनों को नुकसान नहीं पहुंचा है।

कचरा खंती में लगी आग

एम्स: रीनल डायल्यूटिक स्कैन से हाइड्रोनेफ्रोसिस के मरीजों की होगी जांच

भोपाल। एम्स भोपाल में अब किडनी से जुड़ी जटिल बीमारियों की जांच और इलाज और भी सटीक हो गया है। एम्स के न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में रीनल डायल्यूटिक स्कैन तकनीक के जरिए मरीजों को बेहतर और वैज्ञानिक उपचार मिल रहा है। इस तकनीक से किडनी की कार्यक्षमता, अवरोध की स्थिति और ऑपरेशन की आवश्यकता का सटीक आकलन किया जा सकता है। एम्स भोपाल प्रदेश का एकमात्र सरकारी केंद्र है, जहां यह उन्नत जांच सुविधा कम लागत में उपलब्ध है। निजी अस्पतालों में जहां ऐसी जांच महंगी होती है। न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश जैन ने बताया कि रीनल डायल्यूटिक स्कैन एक मॉडर्न जांच तकनीक के जरिए यह पता लगाया जाता है कि किडनी कितनी सही तरीके से काम कर रही है और यूरिन का प्रवाह सामान्य है या नहीं।

अल्ट्रासाउंड से एडवांस है यह नई तकनीक

डॉक्टरों के मुताबिक सामान्य अल्ट्रासाउंड शुरूआती जानकारी देता है, लेकिन सही इलाज तय करने के लिए रीनल डायल्यूटिक स्कैन बेहद जरूरी होता है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि मरीज को सर्जरी की जरूरत है या दवाओं से ही इलाज संभव है।

इन लक्षणों में जांच करानी जरूरी

- किडनी में सूजन
- दर्द या पेशाब से जुड़ी समस्या।

सीएम हाउस का रास्ता बंद कर मकान किए जमींदोज, मालीखेड़ी में परिवारों को किया विस्थापित, प्लैट में कराया शिफ्ट

दिन भर चलता रहा हंगामा, ताले तोड़कर सामान निकाला, हटाई 60 साल पुरानी आदिवासी बस्ती

95 अफसरों के साथ डेढ़ सौ पुलिस जवानों ने संमाला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज़

मोपाल

मानस भवन के पीछे 27 आदिवासी परिवारों की 70 साल पुरानी बस्ती को शनिवार जिला प्रशासन की टीम ने जमींदोज कर दिया। सुबह छह बजे टीम मौके पर पहुंच गई थी, लेकिन घरों में ताले डले होने के बाद ता ले कर सा मा न बा ह र निकाला गया। जिसकी वजह से परिवारों का सामान तितर-बितर हो गया।

मकान तोड़ने की कार्रवाई शुरू होने के बाद इन लोगों ने अंदर जाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने अंदर जाने से रोक दिया। रहवासियों को अंदर जाने से रोकने पर लोगों ने सीएम हाउस के सामने हंगामा शुरू कर दिया। जिसके बाद परिवार के दो-दो लोगों को अंदर जाने दिया गया।

हालांकि दिन भर हंगामे के बीच बुलडोजर चलाया गया है। कार्रवाई के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मौके पर पहुंचकर अफसरों को खरी-खोटी सुनाई, हालांकि कोर्ट जाने की बात कहकर वह भी चले गए। मानस भवन के पीछे की आदिवासी बस्ती हटाने के लिए शुक्रवार रात से ही पुलिस ने घेराबंदी कर दी थी। कार्रवाई शाम तक चलती रही।

घरों को दहली जैसीबी। इंसेट में परिवारों से चर्चा करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी शर्मा।

पॉलिटेक्निक से वीआईपी तक 2 किमी तक लगा जान

शहर में शनिवार शाम पॉलिटेक्निक चौराहे से वीआईपी रोड तक 3 किमी लंबा जाम लग गया। सैकड़ों वाहन रंगते रहे। ट्रैफिक पुलिस का मिसमैनेजमेंट एक बार फिर परेशानी का सबब बना। दरअसल यह बस्ती हटाने को लेकर हुई कार्रवाई के कारण लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। वहीं जोरदार बारिश व वाहन चालकों के बड़ी संख्या में शाम के घूमने निकलने की वजह से जाम लग गया।

इस जमीन पर बनेगा श्रीराम संग्रहालय

शहर एसडीएम दीपक पांडे ने बताया कि राजस्व विभाग और मानस भवन की 13 सौ वर्गफीट जमीन पर इन परिवारों ने कब्जा किया गया था। जिन्हें हटया गया है। इस जमीन पर श्रीराम संग्रहालय बनेगा।

अपना घर टूटने पर रोते-बिलखते रहवासी।

बोट क्लब का रास्ता भी किया बंद

आदिवासी बस्ती हटाने के लिए पुलिस ने सीएम हाउस की मुख्य सड़क को पूरी तरह से बंद कर दिया था। जबकि भारत भवन से बोट क्लब जाने वाली सड़क भी बंद कर दी गई। जिसकी वजह से बोट क्लब पर जाने वाले सैलानियों को परेशानी उठानी पड़ी।

ट्रेन के बी-9 एसी कोच का मामला, यात्रियों ने रेलवे में शिकायत कर मांगी मदद

हमसफर एक्सप्रेस के एसी कोच में टपका बारिश का पानी, यात्री सामान इधर-उधर करते रहे

मोपाल। मोपाल से पुणे जाने वाली गाड़ी संख्या 22172 रानी कमलापति-पुणे हमसफर एक्सप्रेस बी-9 एसी कोच में शनिवार को बेमौसम हुई बारिश का पानी टपकने लगा। इसके चलते यात्री अपना लगेज यहां-वहां ले जाते नजर आए। यात्रियों ने रेलवे से शिकायत कर मदद मांगी। इस बीच यात्री आरकेएमपी से इटारसी स्टेशन तक परेशान होते रहे। हालांकि आगे रास्ते में बारिश नहीं होने से यात्रियों ने राहत की सांस ली। इस संबंध में रेलवे अधिकारियों ने जानकारी नहीं होने की बात कहते हुए मामले को दिखाने को कहा।

कोच में बहता बारिश का पानी।

यह है पूरा मामला

शनिवार शाम करीब 3:40 बजे आरकेएमपी से पुणे के लिए 22172 रानी कमलापति - पुणे हमसफर एक्सप्रेस रवाना हुई। ट्रेन कुछ दूर ही पहुंची थी। इस दौरान तेज बारिश होने लगी और बी-9 एसी कोच में पानी टपकने लगा। थोड़ी देर बाद तेज गति से बारिश का पानी कोच के अंदर आने लगा और यात्रियों के लगेज तक पानी पहुंचने लगा। इसके बाद कई यात्री अपना सामान को सुरक्षित यानी जहां पानी न आ रहा हो। इस ओर ले जाते नजर आए। इस पर यात्रियों ने कुछ फोटो के साथ रेलवे से शिकायत कर मदद मांगी। तो वहीं ट्रेन में मौजूद कर्मचारियों ने समस्या के समाधान करना शुरू कर दिया। साथ ही इटारसी के पास बारिश नहीं होने से यात्रियों ने राहत की सांस ली।

खजूरी बायपास रोड पर गिरा पेड़, लगा ट्रैफिक जाम

राजधानी के खजूरी बायपास रोड पर शनिवार को शाम करीब साढ़े तीन बजे चली तेज हवा से कई पेड़ टूटकर गिर गए। इसके कारण लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और आवागमन बाधित हुआ। आम लोग पेड़ों को हटाने में जुट गए। जानकारी मिलने पर निगम का अमला मौके पर पहुंचा और पेड़ों को हटाया। इस दौरान वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा और काफी देर तक जाम में वाहन फंसे रहे।

सड़क पर गिरे पेड़ को हटाने लोग।

अजंता®

AJANTA

fssai ISO 20022 ISO 5346 CML-1405374

ESTD. 1949

AJANTA BAKING POWDER

Food Color Preparation Baking Powder, Custard Powder, Drinking Chocolate & Flavours

www.ajantafoodproducts.com

दो और बच्चों ...

ग्लोबल वॉर्मिंग आज...

जीपीएस का भौगोलिक ...

देश का पहला ...

प्ला
उपलब्ध
भोपाल की सबसे
विकासशील ल
9755600
820050
774802

गोटिया को तीर्थ ...

અબ મોદી તત્વ....

बाइक और स्मार्टफोन ...

त है
ज्यादा
केशन
569
943
609

पाकिस्तानी महिला से ...

कांकेर में आईडीडी ...

65 साल का ...

सरकार ने की...



या बायपास
 और 66 फीट में रोड
 क्वी प्राइम लोकेशन
 न, सर्वसुविधायुक्त,
 न, पीपुल्स हास्पिटल,
 और में मार्केट के नजदीक

राजधानी के 33 ...

दर्जन भर जिलों ...

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मध्यप्रदेश अर्बन कैपिटल सोलर प्रोजेक्ट को मंजूरी, बिजली खर्च होगा कम

आपसकता है स्वतंत्र

मि पला

ल बाजा

नाम परिवर्तन सूचना

वेचना है
व्यापार
विविधता

फाइंड

संप

विज्ञापन के लिए
मो. 997

**कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं
वन बल प्रमुख (कक्ष-कैम्पा)**
वन भवन, सी-20, ब्लॉक-सी, द्वितीय तल, लिंक रोड नं.-2, तुलसी नगर भोपाल
दूरभाष-कार्यालय 0755-2674228, 0755-2524184, ई-मेल pecfcampa@mp.gov.in
विषय: आस्था

मनोज कुमार अग्रवाल
प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
(कैम्पा) मध्यप्रदेश, भोपाल

जी -12306/26

स्वच्छता ही सेवा

कार्यालय संयुक्त संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें, राज्य पशु चिकित्सालय भोपाल
आर.ए.के. केम्पस, पुरानी जेल रोड, जहांगीरबाद भोपाल (म.प्र.)

दूरभाष क्रमांक 0755-2767141 ई-मेल आईडी Jdvs.ahsvhbol@mp.gov.in

क्रमांक. 349/ भंडार / 2026-27 **निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)** **भोपाल, दिनांक 24/04/26**
(सुरक्षा व्यवस्था)

कार्यालय संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवायें राज्य पशु चिकित्सालय जेल रोड जहांगीरबाद भोपाल की वर्ष 2026-27 हेतु 01 वर्ष के लिये सुरक्षा व्यवस्था हेतु ई-निविदा e-procurement प्रणाली portal <https://mptenders.gov.in> पर ऑनलाईन द्वितीय निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा क्रमांक	निविदा विवरण	निविदा राशि	ऑनलाईन निविदा प्रप्र जारी/ क्रय काने की प्रारंभतिथि	धरोहर राशि रु.	निविदा प्रप्र क्रय/जमा काने की आंमि तिथि एवं समय
JDVSSVH 03/2026	गज्य पशु चिकित्सालय की सुरक्षा व्यवस्था हेतु अकुशल श्रमिक उपलव्य कताने के संबंध में	रु. 1200/-+ प्रोसेसिंग फीस	05.05.2026	रु. 50000/-/की धरोहर राशि ऑनलाईन mptenders.gov.in पर जमा की जानी है।	20.05.2026 शाम 5:30 बजे तक

महत्वपूर्ण सूचना :-

- निविदा प्रप्र उपर वर्णित वेबसाइट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप किये जा सकते हैं।
- निविदा का अनुमानित मूल्य रुपए 12.50 लाख वर्षांक है।
- निविदा संबंधी जानकारी वेबसाइट पर अथवा कॉलिंगियन समय में प्राप की जा सकती है।
- निविदा में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में उक्त संशोधन <https://mptenders.gov.in> वेबसाइट तथा <https://mptenders.gov.in> पर अपलोड किये जायेंगे।

संयुक्त संचालक
पशु चिकित्सा सेवायें,
राज्य पशु चिकित्सालय भोपाल

जी - 12342/26

स्वच्छता ही सेवा

हरिभूमि कलासीफाइड
 आवरणकला है खरीदना है बेचना है व्यापार विक्रयता ज्योतिष डिटेल विज्ञान

संपर्क सूत्र : 9407279644
9977912473

हरिभूमि
सम्पादक ई. सिंह, निदेशक श्री

भोपाल बाजार

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9977912473

प्लॉट मात्र
3,55,000
हजार में
आसान किश्तों पर

साईट:-
220 फिट रिंग रोड न्यू
बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्पूड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करेंद भोपाल
मो. 7772079910

 **Medical Help Line**
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644



नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग

सफल ईलाज का 40 वर्षों का अनुभव

Dr. Safi's
HOMEOPATHIC CLINIC

कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409

Timing
10:30 am
to
8:00 pm

5/4, संजय कॉम्प्लेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

मोहने वाला-5
नीचे
मदाची-5
अनमोल रत्न,
पा-2
शुल्क-4
व्यक्ति-3
जोड़-2
री-3
श-3
गोहर, थाती-4
ग, हिलोर-3
कुंश, मुहजोर

शब्द पेहेली - 62 13 का हल

ब	द	न	वा	ज	आ	स	या	न
न	वै	र	ल	वा	वा	र	जा	
व	ज	म	ज	म	ब	री	क	त
जी	म	ना	ह	ठ	ता	क	त	
व	बा		जे	ल	रे	ता		
न	ग	र	से	ठ	न	का	र	म
री	नी	ना	स	फ	गे	म		
सु	ब	ह	श	म		बा	सी	क
र	क	श	झ	न	का	र		
ता	प	प	दा	म	क	क	ण	
ल	थ	थ	र	च	ना	क	र	

चढ़ान, शिला
(अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर, भगवान-2
28. प्रेम, लगन-2

गुडोंकु नवताल - 6224

	5		3		
	2		9	5	
9				6	
		9			3 5
	6				7
4 8			1		
	7				3
		2	4		9
		8		2	

गुडोंकु नवताल - 6223 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पेहली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल - 6224

	5			3					
	2		9	5					
9					6				
		9					3	5	
	6					7			
4	8			1					
		7						3	
		2	4				9		
		8			2				

*** संख्याएं

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हल नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6223 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3	
5	8	1	7	2	3	9	6	4	
9	3	4	8	1	6	2	5	7	
6	5	9	2	4	8	3	7	1	
8	4	7	9	3	1	6	2	5	
1	2	3	5	6	7	4	9	8	
3	6	5	1	8	2	7	4	9	
7	9	2	3	5	4	1	8	6	
4	1	8	6	7	9	5	3	2	

शब्द पहली - 6214

1	2	3		4		5	
6				7			8
		10					
11		12		13		14	15
			16				
	17					18	
			19				20
21					22		
			23		24		
25	26		27				28
	29				30		

बाएँ से दाएँ -

1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट, शर्ट-3
6. लाख, गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान, रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा, उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष, बरस-2
19. गदर, बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गलर, घर्मंड-4
24. राजा, सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ, फिजूल-3
28. चतुर्थ, चौथा-2
29. बहने का भाव-3



आवश्यकता

भारत के सबसे बड़े गाइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म में रैंपिको से जुड़ें। आँटो या ई-निष्काश चलाना प्रतिदिन ₹ 700 तक।

मास्टर्ड डक्यूमेंट बिना कमीशन और ₹ 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं।

कॉल करें - 8922949955

D-17/1/24

	आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।
मेघ	
	धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नीकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।
वृष	
	मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।
मिथुन	
	आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धावान रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।
कर्क	
	नीकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होगी।
सिंह	
	शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।
कन्या	
	जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सान्ध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
तुला	
	मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेगा।
वृश्चिक	
	मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंतय भी रहे। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।
धनु	
	शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नीकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।
मकर	
	भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।
कुंभ	
	मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।
मीन	



टर्म इंश्योरेंस लेते समय रखें ध्यान, वरना टूट जाएगा 'सुरक्षा कवच'

सुझाव	बिजनेस डेस्क
-------	--------------

टर्म इंश्योरेंस किसी भी व्यक्ति की वित्तीय योजना का सबसे अहम हिस्सा होता है। यह वह सुरक्षा कवच है, जो आपके न रहने पर आपके परिवार को आर्थिक संकट से बचाता है। लेकिन अक्सर लोग जानकारी के अभाव या थोड़े पैसे बचाने के लालच में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका खामियाजा उनके परिवार को उठाना पड़ता है। कई मामलों में तो वलेम तक रिजेक्ट हो जाता है और पूरी योजना बेकार साबित हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि टर्म इंश्योरेंस लेते समय कुछ बुनियादी बातों का ख़ास ध्यान रखा जाए।

पर्याप्त कवर न लेना: सबसे बड़ी भूल
अक्सर लोग कम प्रीमियम के चक्कर में कम बीमा राशि चुन लेते हैं। यह सबसे गंभीर गलती है। बीमा का उद्देश्य केवल औपचारिका पूरी करना नहीं, बल्कि परिवार को पूरी आर्थिक सुरक्षा देना है। विशेषज्ञों के अनुसार, आपको बीमा राशि आपको सालाना आय का कम से कम 15 से 20 गुना होनी चाहिए। इसके अलावा, होम लोन, कार लोन और अन्य देनदारियों को भी इसमें शामिल करना जरूरी है, ताकि आपके बाद परिवार पर कर्ज का बोझ न आए।

बीमा लेने में देरी करना
कई लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस लेने में देरी करते हैं कि वे अभी युवा और स्वस्थ हैं। लेकिन बीमा के मामले में देरी महंगा पड़ती है। कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है और वह पूरे कारकीर्द के लिए लॉक हो जाता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बीमारियां का खतरा बढ़ता है और बीमा लेना मुश्किल या महंगा हो सकता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके, टर्म प्लान लेना समझदारी है। क्लेम सेटलमेंट रेशियो (सीएसआर), जो बताता है कि कंपनी कितने प्रतिशत क्लेमस का भुगतान करती है। हमेशा ऐसी कंपनी चुनें, जिसका सीएसआर 95% या उससे अधिक हो। इससे यह भरोसा मिलता है कि जरूरत पड़ने पर आपका परिवार क्लेम पाने में परेशानी का सामना नहीं करेगा।

नॉमिनी की गलत या पुरानी जानकारी
नॉमिनी की जानकारी सही और अपडेट होना बेहद जरूरी है। कई बार लोग नॉमिनी का नाम या अन्य विवरण अपडेट नहीं करते, जिससे क्लेम के समय कानूनी जटिलताएं पैदा हो जाती हैं। शादी, तलाक या नॉमिनी के निधन जैसी स्थितियों में तुरंत जानकारी अपडेट करना जरूरी है। साथ ही, अपडेट का प्रमाण भी संग्रहीत रखना चाहिए।

राइडर्स व एड-ऑन्स को नजरअंदाज करना
टर्म इंश्योरेंस के साथ मिलने वाले राइडर्स आपके प्लान को और मजबूत बनाते हैं, लेकिन लोग थोड़े पैसे बचाने के लिए इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। यह एक बड़ी गलती है। किटिकल इलनेस राइडर गंभीर बीमारियों में आर्थिक सहायता देता है, वहीं प्रीमियम वेवर राइडर विकलांगता या बीमारी की स्थिति में भविष्य के प्रीमियम माफ कर देता है। एक्सिडेंट डेथ बेंचिफिट भी परिवार को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। ये छोटे-छोटे एड-ऑन्स मुश्किल समय में बड़ा सहारा बनते हैं।

स्वास्थ्य और जानकारी छुपाना
बीमा लेते समय अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, धूम्रपान की आदत या पहले से चल रही बीमारियों को छुपाना सबसे खतरनाक गलती है। बीमा कंपनी आपके मेडिकल रिकॉर्ड की जांच करती है, और यदि जानकारी गलत पाई जाती है तो वलेम रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए पूरी पारदर्शिता रखना बेहद जरूरी है। इमानदारी ही यह सुनिश्चित करती है कि जरूरत के समय आपका परिवार बिना किसी परेशानी के क्लेम प्राप्त कर सके।

सही कवर चुने
टर्म इंश्योरेंस कोई निवेश नहीं, बल्कि आपके परिवार के भविष्य की सुरक्षा का वादा है। इसे लेते समय छोटी-छोटी गलतियां भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती हैं। सही कवर चुनना, समय पर पॉलिसी लेना, कंपनी की विश्वसनीयता जांचना और पूरी इमानदारी से जानकारी देना ये सभी बातें आपके फंसले को मजबूत बनाती हैं।



निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क

► सिर्फ चांदी नहीं, पोर्टफोलियो में डाइवर्सिफिकेशन ही असली ताकत

► इंटीएफ और डिजिटल सिल्वर भी बन रहे हैं निवेशकों की पसंद

चांदी (सिल्वर) की कीमतों में हालिया गिरावट ने निवेशकों के बीच नई बहस छेड़ दी है। जो धातु साल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई थी, वहीं अब अपने ऑल टाइम हाई से करीब 40% नीचे फिसल चुकी है। जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

गिरावट के पीछे क्या हैं कारण
चांदी की कीमतों में आई इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और आर्थिक कारण एक साथ काम कर रहे हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती है। जब डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य देशों के लिए चांदी खरीदना महंगा हो जाता है, जिससे इसकी मांग में कमी आती है और कीमतों पर दबाव बनता है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद ने भी निवेशकों के रुझान को बदला है। निवेशक अब ऐसे विकल्पों की ओर झुक रहे हैं जो उन्हें नियमित आय दे सकें। चूंकि चांदी से कोई ब्याज या डिविडेंड नहीं मिलता, इसलिए इसमें निवेश अपेक्षाकृत कम आकर्षक हो जाता है। तीसरा बड़ा कारण है मुनाफावसूली। लंबे समय तक तेजी के बाद निवेशकों ने अपने मुनाफे को सुरक्षित करना शुरू किया, जिससे बाजार में बिकवाली बढ़ी और कीमतें तेजी से नीचे आईं।

इंडस्ट्रियल डिमांड: चांदी की ताकत

सुरक्षा और ग्रोथ का संतुलन बनाकर महंगाई को दें मात, अपनाएं स्मार्ट निवेश रणनीति

तैयारी	बिजनेस डेस्क
--------	--------------

45 साल की उम्र को अक्सर निवेश के लिहाज से एक 'टर्निंग पॉइंट' माना जाता है। इस उम्र में पहुंचते ही अधिकांश लोग जोखिम लेने से कतराने लगते हैं और अपनी पूरी बचत को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) या पारंपरिक स्कीमों में डालने की सोचने लगते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सोच अधूरी है। दरअसल, 45 की उम्र 'फिनिश लाइन' नहीं, बल्कि रिटायरमेंट की तैयारी का सबसे अहम दौर है। अभी भी आपके पास लगभग 15 साल का समय है, जिसे सही रणनीति के साथ इस्तेमाल कर आप अपने बुढ़ापे को आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बना सकते हैं। आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें। 45 के बाद निवेश का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है संतुलन। न तो पूरा पैसा जोखिम वाले विकल्पों में लगाना जरूरी है और न ही पूरी तरह सुरक्षित विकल्पों में। इसके लिए 40:40:20 का फॉर्मूला काफी प्रभावी माना जाता है। इस फॉर्मूले के अनुसार, 40% निवेश सुरक्षा के लिए (बीमा और पेंशन योजनाएं), 40% ग्रोथ के लिए (म्यूचुअल फंड या इक्विटी) और 20% स्थिरता के लिए (सोना या सरकारी बॉन्ड) में लगाया जाना चाहिए।

40% टूटी चांदी, सावधानी और धैर्य के साथ करेंगे निवेश तो होगा लाभ

चांदी की गिरावट में छिपा मौका लेकिन रणनीति भी बेहद जरूरी

जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है। क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?



चांदी की खासियत यह है कि यह केवल निवेश का माध्यम नहीं है, बल्कि इसका बड़ा उपयोग उद्योगों में भी होता है। इसकी कुल मांग का 60% से अधिक हिस्सा इंडस्ट्रियल सेक्टर से आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, ऑटोमोबाइल और चीन घनार्ज जैसे सेक्टर में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से सोलर इंडस्ट्री में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा है, जो भविष्य में इसकी कीमतों को मजबूती दे सकता है। यही वजह है कि भले ही कीमतों में गिरावट आई हो, लेकिन इसके फंडामेंटल अभी भी मजबूत माने जा रहे हैं।

जियोपॉलिटिकल तनाव का असर

वैश्विक तनाव भी चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। अमतौर पर जब दुनिया में अनिश्चितता बढ़ती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्पों जैसे सोना और चांदी की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण निवेशकों ने नकदी को प्राथमिकता दी। ऐसे हालात में अक्सर देखा जाता है कि अच्छे एसेट्स भी बिक जाते हैं, क्योंकि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को संतुलित करने के लिए नकदी बढ़ाना चाहते हैं।

क्या यह निवेश का सही समय है?

विशेषज्ञों की राय में इस गिरावट को पूरी तरह नकारात्मक नजरिए से नहीं देखना चाहिए। यदि कीमतों में गिरावट अस्थायी कारणों जैसे डॉलर की मजबूती या बाजार की घबराहट की वजह से है, तो यह निवेश का अवसर बन सकती है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह "बाय ऑन डिप्स" यानी गिरावट पर खरीदारी का अच्छा मौका हो सकता है। हालांकि, इसमें एकमुश्त निवेश करने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

45 के बाद निवेश : डर नहीं, समझदारी से ही बन पाएगी ‘गोल्डन’ रिटायरमेंट

आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।



बीमा और पेंशन: मजबूत नींव

45 की उम्र के बाद सबसे पहले आपको अपने और अपने परिवार की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। टर्म इंश्योरेंस इस मामलों में एक मजबूत ढाल का काम करता है, जो आपके न रहने पर परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस भी बेहद जरूरी है, क्योंकि इस उम्र के बाद स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने लगते हैं और इलाज का खर्च आपको बचत की तेजी से खम कर सकता है। इसके अलावा, एन्युटी या पेंशन योजनाएं रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का भरोसा देती हैं। इससे आपको दूसरी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती और आप आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं।

इक्विटी से दूरी बनाना गलती

अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि 45 के बाद शेयर बाजार में निवेश करना जोखिम भरा है, इसलिए वे इससे दूरी बना लेते हैं। लेकिन यह एक बड़ी गलती हो सकती है। महंगाई को मात देने के लिए इक्विटी निवेश जरूरी है। हालांकि, इसमें निवेश सोच-समझकर और लंबे समय के नजरिए से करना चाहिए। यदि सीधे शेयर बाजार की समझ नहीं है, तो म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करना बेहतर विकल्प हो सकता है। जब भी बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, सोना आपके पोर्टफोलियो को संतुलन देता है। इसलिए कुल निवेश का 10-20% हिस्सा सोने में रखना एक अच्छी रणनीति मानी जाती है।

अनुशासित निवेश व कंपाउंडिंग मामूली बचत को बना देगा बड़ा फंड

रणनीति	बिजनेस डेस्क
--------	--------------

हर माह 10,000 के निवेश से बना सकते हैं 3 करोड़ तक, ‘10x12x30’ के फॉर्मूले से समझें अमीर बनने का गणि, छोटी बचत, लंबा समय और कंपाउंडिंग का जादू देगा आर्थिक ताकत

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी रिटायरमेंट लाइफ आर्थिक रूप से सुरक्षित और तनावमुक्त हो। लेकिन अक्सर यह सवाल उठता है कि करोड़ों का फंड आखिर कैसे तैयार किया जाए? क्या इसके लिए भारी-भरकम कमाई या कोई बड़ी विरासत जरूरी है? जवाब है नहीं। सही रणनीति, अनुशासन और समय के साथ आप एक सामान्य आय में भी बड़ा फंड बना सकते हैं। इसी सोच को आसानी से लागू करके जगत में एक लोकप्रिय फॉर्मूला चर्चा में है '10x12x30' फॉर्मूला। यह कोई जादू नहीं, बल्कि एक साधारण गणित है, जो म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए करोड़ों का फंड तैयार करने का रास्ता दिखाता है।

क्या है ‘10x12x30’ फॉर्मूला?

- यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।
- 10 (बचत) : हर महीने 10,000 रुपये की नियमित निवेश राशि।
- 12 (रिटर्न) : औसतन 12% सालाना रिटर्न (लॉन्ग टर्म इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में संभावित)।
- 30 (समय) : लगातार 30 साल तक धैर्य के साथ निवेश किया जाए।
- इन तीनों का संयोजन ही इस फॉर्मूले की ताकत है। यह बताता है कि छोटे-छोटे निवेश भी समय के साथ कितना बड़ा रूप ले सकते हैं।

कैसे बनता है 3 करोड़ रुपये का फंड

- मान लीजिए आप 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 60 साल तक जारी रखते हैं।
- मासिक एसआईपी : 10,000 रुपये
- कुल अवधि: 30 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12%
- इस दौरान आपका कुल निवेश होगा करीब 36 लाख रुपये, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से यह रकम बढ़कर लगभग 3.08 करोड़ रुपये तक हो सकती है।

करोड़ रुपये तक हो सकती है।

- यानी आपने जितना पैसा लगाया, उससे कई गुना ज्यादा आपको रिटर्न के रूप में मिलता है। यही इस फॉर्मूले का असली आकर्षण है।

कंपाउंडिंग: असली गेम चेंजर

इस पूरी रणनीति की जान है कंपाउंडिंग, जिसे "ब्याज पर ब्याज" भी कहा जाता है। शुरुआती वर्षों में आपका निवेश धीमी गति से बढ़ता नजर आता है। कई लोगों को लगता है कि फायदा कम हो रहा है, लेकिन यही वह समय होता है जब नींव तैयार हो रही होती है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, आपका निवेश तेजी से बढ़ने लगता है। खासकर आखिरी 10-15 सालों में कंपाउंडिंग का असर विस्फोटक हो जाता है। उदाहरण के तौर पर, पहली 15 साल में जो ग्रोथ दिखती है, उससे कई गुना ज्यादा ग्रोथ अगले 15 साल में देखने को मिलती है।

जल्दी शुरुआत का बड़ा फायदा

इस फॉर्मूले का सबसे अहम हिस्सा है समय। अगर आप 30 की बजाय 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 35 साल तक एसआईपी जारी रखते हैं, तो वही 10,000 की राशि करीब 6 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। इसका मतलब साफ है कि जितनी जल्दी

शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा।

स्टेप-अप एसआईपी से लक्ष्य आसान

केवल 10,000 रुपये पर ही टिके रहना जरूरी नहीं है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे एसआईपी राशि भी करीब 10 फीसदी तक बढ़ाई जानी चाहिए। इसे ही स्टेप-अप एसआईपी कहा जाता है।अगर आप हर साल अपनी एसआईपी में 5% से 10% की बढ़ोतरी करते हैं, तो आप 3 करोड़ का लक्ष्य और भी जल्दी हासिल कर सकते हैं। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जिनकी सैलरी हर साल बढ़ती है।

निवेश के दौरान रखें ध्यान

1. अनुशासन बनाए रखें : बाजार में गिरावट या उतार-चढ़ाव के समय एसआईपी बंद करना सबसे बड़ी गलती हो सकती है।
2. लंबी अवधि का नजरिया रखें : शेयर बाजार में शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव सामान्य है, लेकिन लंबी अवधि में ग्रोथ की संभावना अधिक रहती है। इसलिए हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें।
3. धैर्य जरूरी है : पहले कुछ सालों में रिटर्न कम दिख सकता है, लेकिन धैर्य रखने से ही बड़ा फायदा मिलता है।

क्या यह फॉर्मूला हर किसी के लिए सही है

यह फॉर्मूला एक सामान्य गाइडलाइन है, न कि गारंटी। 12% रिटर्न एक अनुमान है, जो बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए निवेश शुरू करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय सीमा को समझना जरूरी है। जरूरत पड़े तो वित्तीय सलाहकार से भी सलाह ली जा सकती है।

सही योजना और अनुशासन जरूरी

'10x12x30' फॉर्मूला यह साबित करता है कि अमीर बनने के लिए असाधारण आय नहीं, बल्कि सही योजना और अनुशासन जरूरी है। 10,000 रुपये जैसी साधारण मासिक बचत भी 30 साल में 3 करोड़ सही योजना और अनुशासन जरूरी से ज्यादा का फंड बना सकती है बस जरूरत है समय, धैर्य और निरंतरता की। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि निवेश की दुनिया में सबसे बड़ा हथियार पैसा नहीं, बल्कि समय और अनुशासन है। जो व्यक्ति इन दोनों को सही तरीके से इस्तेमाल करता है, वही असली मायने में आर्थिक रूप से मजबूत बनता है और आपको आर्थिक आजादी को सुनिश्चित करता है।

बच्चों की पढ़ाई के लिए ऐसे तैयार करें 1 करोड़ का फंड

आज के दौर में शिक्षा सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक बड़ा निवेश लक्ष्य बन चुकी है। खासकर एम आर अपने बच्चे को विदेश में पढ़ाना चाहते हैं, तो खर्च आसानी से 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक तक पहुंच सकता है। ऐसे में माता-पिता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है। इतनी बड़ी रकम कैसे जुटाई जाए? अच्छी बात यह है कि सही रणनीति, समय पर शुरुआत और अनुशासित निवेश के जरिए यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल किया जा सकता है।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ी ताकत

बच्चे की पढ़ाई के लिए फंड बनाने में समय सबसे अहम फैक्टर है। अगर आपका बच्चा अभी 2–5 साल का है, तो आपके पास 12–15 साल का लंबा समय होता है। यह समय आपको कंपाउंडिंग (ब्याज पर ब्याज) का पूरा फायदा देता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना कम पैसा लगाकर भी बड़ा फंड बना सकते हैं।

सही रणनीति

टर्म प्लान+एसआईपी का कॉम्बिनेशन

टर्म इंश्योरेंस क्यों जरूरी
अगर परिवार के कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी हो जाए, तो बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो—इसके लिए टर्म प्लान सुरक्षा कवच का काम करता है।

एसआईपी कैसे मदद करती है?

- म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश करके बड़ा फंड बनाया जा सकता है।
- ऐसे समझें
■ अगर आप हर महीने 20,000 एसआईपी में निवेश करते हैं और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में लगभग 90 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का फंड तैयार हो सकता है।
- डिफेंड शेयर बाजार (इक्विटी) में निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए निवेश को संतुलित रखना जरूरी है।

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)

अगर आप हर साल 1.5 लाख रुपये (महीने के 12,500 रुपये) पीपीएफ में निवेश करते हैं, तो 15 साल में करीब 40 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

एसआईपी+पीपीएफ का कॉम्बिनेशन

- 10,000 मासिक एसआईपी लगभग 60 लाख रुपये
- 1.5 लाख सालाना पीपीएफ लगभग 40 लाख रुपये
- कुल मिलाकर : 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल

बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना

अगर आपको बेटी है, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसबीआई) एक शानदार विकल्प है। इसमें सरकार द्वारा तय किया गया आकर्षक ब्याज मिलता है और यह पूरी तरह सुरक्षित है। लंबे समय में एसएसबीआई से लगभग 60–70 लाख रुपये तक का फंड बन सकता है। इसके साथ 3,000–5,000 रुपये की एसआईपी जोड़ने से 1 करोड़ का लक्ष्य आसानी से पूरा किया जा सकता है।

चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान : फायदे और सीमाएं

कुछ माता-पिता चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान भी चुनते हैं, जिसमें बीमा और निवेश दोनों शामिल होते हैं। माता-पिता के न रहने पर भी प्रीमियम जारी रहता है। मेच्योरिटी पर बच्चे को पूरा पैसा मिलता है।

कुछ कमियां भी

- रिटर्न अपेक्षाकृत कम
- लंबा लॉक-इन पीरियड
- कम लचीलापन
- इसलिए विशेषज्ञ अमतौर पर टर्म प्लान+एसआईपी को ज्यादा बेहतर विकल्प मानते हैं। अगर आप हर साल 1–1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं और औसतन 10–12% का रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

प्रवृत्तियाँ, मतदाता मनोविज्ञान और संभावित राजनीतिक दिशा का एक प्रारम्भिक संकेत जरूर देते हैं। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

Mathematical Model for Non-Mechanical Risk Factors



अवधेश कुमार

वरिष्ठ पत्रकार

पर उद्भूत गम्भीर सवाल



अतंत्र पत्रकार

स्वतंत्र पत्रकार

स्वतंत्र पत्रकार

कर दिया। इस अवधि में विशेषकृत मतदान एजायस का उदय भी हुआ। अपनी बढ़ती लोकप्रियता के

चिंतन

चरणजीत 'चरण'

वरिष्ठ पत्रकार

पारस पत्रकार

[illegible]

अम्बरीष प्रजापति

स्वतंत्र स्तंभकार

स्वतंत्र स्तंभकार

2011年11月10日



माहताय मतदाता इतना
सुनिश्चन दो सारा है कि वह

उसका मत कहा जाएगा।

1999



रामाच को बढ़ा रहा है।

CONCLUSIONS

५१ ५२ ५५

991-5111



योगेश कुमार सो

वशिष्ट पत्रकार

११५ कथामाया

सवाल उठत रहगा।



औबेदुल्लागंज में बे-मौसम बारिश ने खोली नगर परिषद के स्वच्छता अभियान की पोल, कॉलोनियों की गलियों में जलभराव से लोगों का बाहर निकलना हुआ मुश्किल

नालियों की साफ-सफाई न होने और कचरे से पूरी तरह जाम होने के कारण पानी की नहीं हुई निकासी, कॉलोनियों की गलियों में भरा घुटनों तक पानी

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

बेमौसम बारिश ने शनिवार को नगर परिषद के स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। हल्की बारिश के बाद ही शहर की कई गलियां जल मग्न हो गईं। अर्जुन नगर के वार्ड 10, 11, 12, की गलियों में भी पानी लबालब भर गया, जिससे स्थानीय नागरिकों का आना-जाना बंद सा हो गया है। शहर के कई मोहल्लों में सड़कों पर घुटनों तक पानी भरा है। संकरी गलियों में जलभराव के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। वहीं गंदे पानी के कारण संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि अगर अभी, यह स्थिति है तो मानसून के दौरान हालात और भी बदतर हो सकते हैं। नागरिकों ने आरोप लगाया कि नालियों की समय पर सफाई नहीं की गई और कई जगह नालियां कचरे से पूरी तरह जाम हैं, जिसके कारण पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। लोगों का यह भी कहना है कि नगर परिषद द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान केवल कागजों तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर न तो सफाई हुई है और न ही जल निकासी की कोई ठोस योजना दिखाई देती है। इस संबंध में नगर परिषद के अधिकारियों से नागरिकों ने मांग कि है जल्द से जल्द नालियों की सफाई कराई जाए।



आंधी से दुकानों के उड़े बोर्ड और होर्डिंग, फैली अव्यवस्था

शनिवार दोपहर में अचानक आई आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश ने नगर में कई जगह होर्डिंग, बोर्ड, पेड़, सीट, खप्पर और गिनाल उड़ गए। इस दौरान व्यापारियों और किसानों का बहुत नुकसान हुआ। तेज हवा के साथ आई तेज बारिश ने जहां वातवरण में ठंडक घोली वहीं दुकान वालों ने इसे आफत की बारिश कही।



खबर संक्षेप



उत्तम यादव बने प्रदेश सचिव, दिग्विजय सिंह से लिया आशीर्वाद

औबेदुल्लागंज। नगर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष प्रतिनिधि उत्तम यादव को मध्य प्रदेश कांग्रेस नगरी प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। यादव की नियुक्ति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक निशंक जैन ने मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी की सहमति से की है। यादव ने अपनी नियुक्ति पर कहा है कि नगरी चुनाव में रायसेन जिले की समस्त नगर पालिका, नगर परिषद में योग्य प्रत्याशी चयन के लिए संगठन का हांका तैयार करेंगे एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा बनाए रखेंगे। यादव ने भोपाल जाकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुनिश्री विश्व सूर्य सागर महाराज की हुई मृत्यु अगवाणी



तामोटा। जैन समाज एवं ग्राम वासियों ने मुनिश्री विश्व सूर्य सागर महाराज जी की भव्य अगवाणी की। शुक्रवार शाम को मंदिर में आरती कर आचार्य भक्ति हुई। शनिवार को प्रातः कालीन तामोटा में महाराज जी के सानिध्य में विशाल शांति धारा हुई। इसके बाद महाराज जी के प्रवचन हुए, जिसमें कई भक्तों ने प्रवचन सुने। इस अवसर पर अजीत कुमार जैन, अरविंद कुमार जैन, मुकेश, पंकज जैन ने सराहनीय कार्य किया। तामोटा के अरविंद जैन, पिंकी जैन ने महाराज जी की व्यवस्था की। शनिवार शाम को तामोटा से महाराज जी धामधुसर के लिए विहार किए।

श्री धाकड़ युवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष रजनीश पटेल की माता का निधन औबेदुल्लागंज। अखिल भारतीय श्री धाकड़ युवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष रजनीश पटेल की माता



फूलवती नागर का निधन हो गया है। इकलामा में उनके निधन से समाज में शोक व्याप्त है। समाज के वरिष्ठजन नारायण सिंह पटेल, कालूराम, शमोहन पटेल, गौरीशंकर, परेश, भूपेंद्र, संजीव नागर तामोटा, सुभाष नागर, मोहन पटेल परखेड़ी, राजू भाई पटेल, गंजेश नागर सहित अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिवारजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

शुक्रांक			
कल्याण:	2730		
दिन:	123	68	459
रात:	134	85	357
दिन:	279	81	146
रात:	344	10	370

पंद्रह लाख की गाड़ी तीन लाख में बेची, दो इनोवा, दो बोलेरो सहित एसयूवी बरामद

लगजरी गाड़ियां किराए पर लेकर बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

अयोध्या नगर पुलिस ने लगजरी गाड़ी किराए पर लगाने का झांसा देकर उसे औने पौने दाम में बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने उक्त मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके साथी की तलाश जारी है। पुलिस उक्त मामले में 1 एसयूवी, दो इनोवा और दो बोलेरो वाहन जब्त की है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद इस तरह की अन्य वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

पुलिस के अनुसार टीकमगढ़ निवासी मनोज मिश्रा ने शिकायत करते हुए बताया कि उनकी मुलाकात परिचित के माध्यम से आलोक दुबे से हुई थी। 25 साल का आलोक दुबे कोलार इलाके में रहता है और महज दसवीं पास है। उसने कहा कि यदि ट्रैवल्स में पैसा कमाना है तो अपनी गाड़ी किराए पर दे दो। शासकीय दफ्तर में अटैच करा देंगे। महीने के 45 हजार रुपए मिलेंगे। पांच हजार कमीशन दे देना चालीस हजार रुपए आप रखना। आलोक की बातों में आकर मनोज मिश्रा ने अपनी एसयूवी 500 एप्रिमेट कराने के बाद आलोक को दे दी। आलोक ने एक महीने चालीस हजार रुपए किराया दिया फिर उक्त गाड़ी अपने साथी

आलोक दुबे, आरोपी



पुलिस ने जब्त की किराए पर लेकर सस्ते दामों पर बेची गई गाड़ियां।

आलोक जैसे और भी एजेंट हो सकते हैं सक्रिय

थाना प्रभारी महेश लिलहारे ने बताया कि मुख्य आरोपी अरविंद मिश्रा की तलाश की जा रही है। आलोक से पूछताछ के बाद अनुमान है कि आलोक की तरह और भी एजेंट अरविंद मिश्रा ने बना रखे हैं, जो किसानों और कारोबारियों को निशाना बनाकर उनसे गाड़ियां भोपाल लेकर आते थे।

गाड़ी खरीदवा लेते थे आरोपी

अरविंद मिश्रा ने आलोक से कहा था कि तुम केवल गाड़ियां लेकर आओ और चालीस हजार रुपए एक बार में कमाओ। यदि किसी के पास गाड़ी नहीं है तो उन्हें शासकीय विभाग में गाड़ी अटैच करने का झांसा देकर नई गाड़ियां खरीदवा लो। आलोक कुल पांच गाड़ियां लेकर आया था। जिन्हें अरविंद ने अलग अलग बेच दी थी। बेची गई सभी गाड़ियां बरामद कर ली गई हैं।

गाड़ी बेच दी।

पुलिस ने मनोज मिश्रा की शिकायत पर आलोक दुबे और अरविंद मिश्रा की तलाश की तलाश की। काफी प्रयास के बाद आलोक दुबे पुलिस के हाथ लग गया। आलोक ने पुलिस को बताया कि उसका काम किसानों को झांसा देकर गाड़ी किराए पर लेकर आने का था। अरविंद मिश्रा ग्राहक की तलाश कर लाखों की गाड़ी कम कीमत में बेच देता था और अपने नाम से विक्रय नामा बना लेता था।

सैंपल के नाम पर किसानों से ले रहे 1 से 5 किलों तक गेहूं, इकट्ठा कर बेचने का आरोप

युकां पूर्व जिला अध्यक्ष नागर ने लगाया आरोप, मौके पर गड़बड़ी का करारा समाधान

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

युवा कांग्रेस पूर्व जिला अध्यक्ष परेश नागर ने बताया कि सैंपल के नाम पर किसानों से 1 किलो से 5 किलों तक गेहूं तुलाई केंद्रों पर लिया जा रहा है। ऐसा ही मामला रायसेन जिले की भोजपुर विधानसभा के एक तुलाई केंद्र पर देखने को मिला। जहां किसानों से दो-दो बार गेहूं का सैंपल लिया रहा था। मौके पर पहुंच कर अधिकारियों को बुलाया और इस गड़बड़ी का समाधान करवाया। कुछ किसानों की ट्रॉली में गेहूं में मिट्टी की मात्रा ज्यादा बताकर रिजैक्ट कर दिया था उसका भी समाधान करवाया।

नियम के अनुसार जिस किसान



की गेहूं की ट्रॉली रिजैक्ट होती है सिर्फ उसी का गेहूं का सैंपल लिया जाता है, वो भी 500 ग्राम, उससे ज्यादा नहीं। जिन किसानों की गेहूं की ट्रॉली पास हो जाती है उनका सैंपल नहीं लिया जाता है और यदि सैंपल लिया भी जाता है तो किसान उसको वापस ले सकता है, लेकिन

ज्यादातर तुलाई केंद्रों पर हर एक गेहूं की ट्रॉली से सैंपल लिया जा रहा है और बाद में सैंपल का गेहूं इक्कठा गाड़न बताया। पुलिस ने गुमटी से गोगो जब्त

की गेहूं की ट्रॉली रिजैक्ट होती है सिर्फ उसी का गेहूं का सैंपल लिया जाता है, वो भी 500 ग्राम, उससे ज्यादा नहीं। जिन किसानों की गेहूं की ट्रॉली पास हो जाती है उनका सैंपल नहीं लिया जाता है और यदि सैंपल लिया भी जाता है तो किसान उसको वापस ले सकता है, लेकिन ज्यादातर तुलाई केंद्रों पर हर एक गेहूं की ट्रॉली से सैंपल लिया जा रहा है और बाद में सैंपल का गेहूं इक्कठा गाड़न बताया। पुलिस ने गुमटी से गोगो जब्त की गेहूं की ट्रॉली रिजैक्ट होती है सिर्फ उसी का गेहूं का सैंपल लिया जाता है, वो भी 500 ग्राम, उससे ज्यादा नहीं। जिन किसानों की गेहूं की ट्रॉली पास हो जाती है उनका सैंपल नहीं लिया जाता है और यदि सैंपल लिया भी जाता है तो किसान उसको वापस ले सकता है, लेकिन सिटी बैंक मनोहर डेयरी के पास गुमटी को चेक किया गया। गुमटी में प्रतिबंधित गोगो कोन का एक स्मोकिंग बॉक्स मिला। बॉक्स में 56 गोगो कोन थे। गुमटी संचालक ने अपना नाम लखन चौहान (45) प्रगति नगर अशोका गाड़न बताया। पुलिस ने गुमटी से गोगो जब्त कर लिए। इसी प्रकार प्रेस कॉलेक्स में एक पान की गुमटी की चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान प्रतिबंधित गोगो कोन का एक स्मोकिंग बॉक्स मिला। बॉक्स में 50 गोगो कोन और एक फिल्टर पेपर का पैकेट मिला। आरोपी ने अपना नाम राजेश चौरसिया (35) शिव नगर फेस श्री छोला मंदिर बताया। पुलिस कार्रवाई करते हुए रेसीडेंसी पार्क के पास जोन-वन पहुंची।

थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा ने बताया कि इलाके का भ्रमण किया जा रहा था। इस दौरान

एआईबीईयू का 10वां 'एक शाम मेल श्रमिकों के नाम' कार्यक्रम में बोलीं मंत्री कृष्णा गौर

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर एआईबीईयू (एनएफआईटीयू) ने पिपलानी कार्यालय में लगातार 10वें वर्ष भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम 'एक शाम भेल श्रमिकों के नाम' आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीएचईएल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय एवं अन्य अतिथियों के आतिथ्य में दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि मंत्री व यूनियन संरक्षक कृष्णा गौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसी भी संस्थान और देश की प्रगति में श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। श्रमिक ही देश की अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ हैं उनका सम्मान करना हम सभी का दायित्व है, जबकि भेल



ईडी प्रदीप कुमार उपाध्याय ने उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि भेल संस्थान की सफलता का आधार है। विजेन्द्र पाटिल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), चेतन साहू व जय

श्रीफल एवं स्मृति चिह्न मेंट कर स्वागत किया

यूनियन के महासचिव रामनारायण गिरी एवं कोषाध्यक्ष विशाल जागी ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सभी अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न मेंट कर स्वागत किया। वहीं यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष सोनी ने स्वागत भाषण देते हुए सभी का सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एक्सेल अवॉर्ड (5), 5 (1), क्वालिटी सर्वक (11), स्पोर्ट्स (16), ड्राईंग (3), बच्चे (28), बेस्ट एक्जीक्यूटिव (19), बेस्ट सुपरवाइजर (18), बेस्ट वर्कर (21), शिक्षा मंडल (4) व 50 महिलाओं को सम्मानित किया गया। आयोजन के अंत में सभी सम्मानित प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न मेंट किए गए।

छोड़कर कई कर्मचारी यूनियन से जुड़े। विजेन्द्र पाटिल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), चेतन साहू व जय

एक शाम मेल श्रमिकों के नाम कार्यक्रम में बोलीं मंत्री कृष्णा गौर

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर एआईबीईयू (एनएफआईटीयू) ने पिपलानी कार्यालय में लगातार 10वें वर्ष भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम 'एक शाम भेल श्रमिकों के नाम' आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीएचईएल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय एवं अन्य अतिथियों के आतिथ्य में दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि मंत्री व यूनियन संरक्षक कृष्णा गौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसी भी संस्थान और देश की प्रगति में श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। श्रमिक ही देश की अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ हैं उनका सम्मान करना हम सभी का दायित्व है, जबकि भेल

छोड़कर कई कर्मचारी यूनियन से जुड़े। विजेन्द्र पाटिल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), चेतन साहू व जय

प्रकाश चौधरी (उपाध्यक्ष), तथा यशवंत वर्मा व अमित यादव (सहसचिव) नियुक्त हुए। नामदेव तड़स, पवन निषाद, अतुल भंगाले, सागर खरात, हृदयेश गौयल व चंद्रप्रकाश मखीजा भी सदस्य बने। जल्द 50 अन्य जुड़ेंगे। मंच संचालन सावन पासी व धर्मेन्द्र गुप्ता ने किया। व्यवस्था में योगेश देवस्कर, रोहित कुमार, रमेश कुराड़ीया व नीरज कुमार का योगदान रहा।



क्राइम ब्रांच की कार्रवाई: दो एमडी तस्करों से 23.14 ग्राम एमडी जब्त

जब्त एमडी की कीमत ढाई लाख रुपए बताई

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

क्राइम ब्रांच की टीम ने अंतरराज्यीय एमडी तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 23.14 ग्राम एमडी जब्त की है। जब्त एमडी की कीमत ढाई लाख रुपए बताई जा रही है। तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनसे एमडी के बारे में पूछताछ की जा रही है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि एमपी नगर स्थित मेट्रो ब्रिज के पास मैदान में एक संदिग्ध युवक खड़ा है और उसके पास मादक पदार्थ एमडी है। वह एमडी बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना के बाद

हकत में आई क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके में घेराबंदी करते हुए संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम माणिक लाल पिता सुरेश शाह (25) शास्त्री नगर, नई दिल्ली बताया। उसने बताया कि इन दिनों वह गोविंद गार्डन, भोपाल में रहता है। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास सफेद रंग की पन्नी में (एमडी ड्रग्स) मिली। आरोपी से एमडी के बारे में पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह दिल्ली से एमडी खरीदकर लाता था और भोपाल में मोहम्मद रिहान बेचता था। क्राइम ब्रांच ने आरोपी मोहम्मद रिहान पिता मोहम्मद बिलाल (27) पीरगट, नक्कास खाना, कोतवाली को भी गिरफ्तार किया है।

टीएमसी को लगा सुप्रीम कोर्ट से झटका, याचिका कर दी खारिज

एजेसी
 नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग द्वारा वोटों की गिनती के लिए मुख्य रूप से केंद्र और पीएसयू के कर्मचारियों को तैनात करने के निर्देश के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इस अहम मुद्दे को सुलझाने सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को टीएमसी की याचिका पर सुनवाई की। विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी नया आदेश पारित करने से साफ इनकार कर दिया है। चुनाव आयोग ने अदालत को आश्वासन दिया है कि वह अपने 13 अप्रैल के परिपत्र (सर्कुलर) का पूरी तरह से पालन करेगा।

सर्कुलर का दिया गया हवाला

टीएमसी के अनुसार इस सर्कुलर में मतगणना प्रक्रिया में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों की तैनाती का भी प्रावधान है। चुनाव आयोग के वकील के इस बयान के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केवल यह दोहराया कि चुनौती दिए गए सर्कुलर को लागू किया जाएगा।



अधिकारी कहां का इससे फर्क नहीं पड़ता

कर्मचारियों की नियुक्ति का मामला

यह पूरा मामला वोटों की गिनती करने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति से जुड़ा हुआ है। इसी ने निर्देश दिया था कि बंगाल में वोटों की गिनती के लिए केंद्रीय कर्मचारियों को मतगणना पर्यवेक्षक बनाया जाएगा। टीएमसी इसी का विरोध कर रही है। उसका मानना है इसमें राज्य कर्मचारियों को भी बराबर शामिल किया जाए।

जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि मतगणना में हर राजनीतिक दल के एजेंट मौजूद रहेंगे। इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता कि पर्यवेक्षक केंद्र सरकार का नामित अधिकारी है या नहीं। अधिकारियों की तैनाती पूरी तरह से चुनाव आयोग की अपनी संतुष्टि पर निर्भर करती है।

वोटों की गिनती के लिए स्टाफ को तैनात करने के खिलाफ सुनवाई

नियमों में विकल्प मौजूद

जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि नियमों में यह विकल्प पूरी तरह से खुला है कि कार्टेटिंग सुपरवाइजर और कार्टेटिंग असिस्टेंट केंद्र सरकार के भी हो सकते हैं और राज्य सरकार के भी।

सिब्ल ने नियुक्ति की स्पष्टता पर उठाए सवाल



टीएमसी की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्ल ने चुनाव आयोग के सर्कुलर (परिपत्र) पर सवाल उठाए। सिब्ल ने कोर्ट में दलील दी कि चुनाव आयोग के सर्कुलर में खुद ऐसा स्पष्ट तौर पर नहीं कहा गया है कि केवल केंद्रीय कर्मचारी ही होंगे। टीएमसी का तर्क है कि चुनाव आयोग का यह कदम जान-बूझकर राज्य सरकार के कर्मचारियों को गिनती से दूर रखने के लिए उठाया गया है।

फैसले पर बोली भाजपा

चुनाव प्रक्रिया पर शक करने वालों को मिला जवाब

बंगाल में मतगणना के लिए केंद्रीय कर्मियों की तैनाती के चुनाव आयोग के आदेश में दखल से सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम कोर्ट ने इनकार ने चुनाव प्रक्रिया पर शक पैदा करने की कोशिशों के खिलाफ एक 'स्पष्ट संदेश' दिया है। भाजपा के नेता अमित मालवीय ने यह बात कही। शीर्ष कोर्ट ने कहा टीएमसी की उस याचिका पर किसी और आदेश की जरूरत नहीं है, जिसमें उसने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने केंद्रीय कर्मियों की तैनाती संबंधी आदेश को सही माना था।

खबर संक्षेप

सफदरगंज इलाके में घर में मिला जज का शव

नई दिल्ली । दिल्ली में एक जज ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। यह घटना दिल्ली के सफदरगंज इलाके में हुई। खुदकुशी करने वाले जज अमन कुमार शर्मा कड़कड़-डूमा कोर्ट में कार्यरत थे। उनका आवास ग्रीन पार्क में था। पुलिस ने बताया कि सफदरगंज इलाके में दिल्ली न्यायिक सेवा के एक अधिकारी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

हैदराबाद में गुजंगासन में बना विश्व रिकॉर्ड

हैदराबाद। यहां योग महोत्सव में हजारों लोगों ने भाग लेकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों को नई ऊर्जा दी। मुख्य आयोजन से 50 दिन पहले हुए कार्यक्रम में 20 से अधिक देशों की भागीदारी रही। कान्हा शांति वनम में 6,000 से अधिक प्रतिभागियों ने एक साथ भुजंगासन का अभ्यास किया। यह उपलब्धि एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज की गई।

अजमेर दरगाह में ‘शिव मंदिर’, फैसला सुरक्षित

अजमेर। दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे पर जिला कोर्ट में लंबी सुनवाई हुई। दावे को लेकर याचिका पर शनिवार को जिला न्यायालय में सुनवाई हुई। इस दौरान सभी पक्षों ने अपने-अपने दावे के समर्थन में कानूनी तर्क और दस्तावेज पेश किए। हिंदू सेना और महाराणा प्रताप सेना द्वारा याचिका दायर की गई है। कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा है।

कुल्लू में बोलेरो पर गिरा चौड़ का पेड़, 4 की मौत

कुल्लू। उयमंडल आनी के शमशर-गुगरा मार्ग पर शनिवार शाम करीब 4:30 बजे बालीओल के समीप तेज आंधी-तूफान से एक विशाल चौड़ का पेड़ चलती बोलेरो गाड़ी पर गिर गया। गाड़ी पेड़ सहित नीचे खाई में गिर गई। बोलेरो में चालक समेत 7 लोग थे, जिनमें 6 स्कूल शिक्षक थे। इस में 4 महिला शिक्षकों की मौत हो गई। 3 अन्य लोग घायल हैं।

दिल्ली से बेंगलुरु जा रही इंडिगो प्लाइट की वापसी

नई दिल्ली। शनिवार सुबह दिल्ली से बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई2314 को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद ही वापस पार्किंग बे में लौटना पड़ा। एक यात्री के उड़ान भरने से पहले घबरा जाने के कारण पायलट को सावधानीवश विमान को वापस पार्किंग बे में आना पड़ा। यात्री ने अचानक उड़ान के दौरान घबराहट महसूस की, जिसके बाद उड़ान रद्द कर दी गई।

चुनाव आयोग को नियुक्ति के पूरे अधिकार, चाहे अधिकारी केंद्र के हों या राज्य सरकार के फर्क नहीं पड़ता, नए आदेश की जरूरत नहीं

बंगाल में मतगणना से पहले फाल्टा में बवाल, मतदाता हो गए परेशान

वोटर्स ने कहा- टीएमसी नेता धमका रहे कि तुम्हारे घरों को जला देंगे, तुमको मारेंगे भी

एजेसी
 कोलकाता

बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा में शनिवार को तब तनाव फैल गया, जब लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी के कार्यकर्ता उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने फाल्टा में पुनर्मतदान की मांग की। उन्होंने कहा कि टीएमसी समर्थक उन्हें धमका रहे हैं। उन्होंने पूरे क्षेत्र में सीएपीएफ की तैनाती की भी मांग की। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किए हैं।

सीआरपीएफ और आरएफएफ के जवान महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सीआरपीएफ का एक बख्तरबंद वाहन भी लगाया गया है। विरोध कर रहे स्थानीय लोगों में कई महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और कथित रूप से धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एक महिला ने कहा कि टीएमसी के एक नेता ने धमकी दी है कि अगर उनके समर्थक नहीं जीते तो घर जला देंगे और हिंसा की जाएगी।

पुनर्मतदान के बीच भारी सुरक्षा बल तैनात



पुलिस को चलानी पड़ी लाटियां

दक्षिण 24 परगना जिले के 15 केंद्रों पर री-पोल

भिड़ गए भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ता

बंगाल में फाल्टा में हिंसा की खबरें हैं। यहां टीएमसी और भाजपा के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। इसके बाद लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाटियां भोंजनी पड़ी। फाल्टा सीट पर दोबारा वोटिंग नहीं करवाई जा रही है। फाल्टा में भाजपा समर्थकों का कहना है

कि उन्हें टीएमसी के लोगों से लगातार धमकियां मिल रही हैं और वोटों की गिनती के दौरान हिंसा की आशंका है। इसी को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे थे। टीएमसी के कार्यकर्ता भी निकल गए और इस प्रदर्शन का विरोध करने लगे। इस पर दोनों में हाथापाई हो गई।

बंगाल चुनाव में गड़बड़ी पर ईसी सख्त

फलता सीट पर दोबारा वोटिंग का फैसला 285 बूथों पर 21 मई को फिर होगा मतदान

बंगाल चुनाव के तहत दूसरे चरण में फाल्टा सीट पर वोटिंग हुई थी लेकिन बड़ी संख्या में गड़बड़ी की शिकायतों के चलते चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला किया है। आयोग ने फाल्टा सीट के तहत आने वाले बूथों पर मतदान के दौरान गंभीर चुनावी अपराधों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के उल्लंघन का हवाला देते विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान का आदेश दिया है। ये वोटिंग 21 मई को होगी, जिसके नतीजे 24 मई को आएंगे।।

एक भी वोट के हेरफेर की गुंजाइश नहीं

ईसी ने तैनात किए 242 नए ऑब्जर्वर



बंगाल में वोटों की गिनती 4 मई को होनी है और किसी भी गड़बड़ी को रोकने के लिए ईसी ने पूरी तैयारी कर ली है। 242 नए ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं। इनमें 165 मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षक शामिल हैं। आयोग ने अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों और पुलिस पर्यवेक्षकों को यह सुनिश्चित करने तैनात किया है कि मतगणना सुरक्षित, शांतिपूर्ण, भयमुक्त और पारदर्शी माहौल में हो।

धर्मांतरण के विरोध पर टूट पड़ी भीड़

घेरकर लाठी और धारदार हथियारों से किए वार,4 घायल, 115 पर केस

एजेसी
 बांसवाड़ा

जिले के कुशलगढ़ थाना क्षेत्र के कलिंजरा गांव में कथित रूप से धर्मांतरण की सूचना पर पहुंचे युवकों पर भीड़ ने हमला कर दिया। इसमें 4 युवक घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत अधिक गंभीर होने पर गुजरात के दाहोद रेफर किया गया है। पुलिस ने मामले में 4 आरोपियों को हिरासत में लिया है। वहीं, 15 नामजद और करीब 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।



पुलिस तक पहुंचा मामला

कुशलगढ़ निवासी रवि भाभोर ने जोसफ उर्फ जयसिंह सहित अन्य के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्हें सूचना मिली थी कि गांव के पास स्थित डैम क्षेत्र में प्रतिबंधित मवेशी (गाय) को नुकसान पहुंचाने के साथ ही धर्मांतरण जैसी गतिविधियां करवाई जा रही हैं।

हाईकोर्ट ने बैंक को दिया आदेश

कांस्टेबल की विधवा को 25 लाख रुपए का भुगतान करें

एजेसी
 देहरादून

उत्तराखंड हाई कोर्ट ने उत्तराखंड ग्रामीण बैंक की याचिका खारिज कर दी है। इसी के साथ हाई कोर्ट ने सिंगल जज के उस आदेश को बरकरार रखा है जिसमें बैंक को एक पुलिस कांस्टेबल की विधवा को बीमा लाभ के रूप में 25 लाख रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। चीफ जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता और जस्टिस सुभाष उपाध्याय की बेंच सिंगल जज के फैसले को चुनौती देने वाली बैंक की याचिका पर यह कहा।

वैतन जमा करने में कोई गूल नहीं थी

उच्च न्यायालय के आदेश में यह भी कहा गया कि वैतन जमा करने में कोई भूल नहीं थी। हालांकि, दावे को अस्वीकार करने का एकमात्र आधार यह है कि प्रतिवादी के पति का नाम पुलिस विभाग द्वारा भेजी गई कर्मचारियों की सूची में शामिल नहीं था। इसी पर सबको निगाहें टिकी थीं।



भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष



लेह। लद्दाख के लेह में 'तथागत के पवित्र अवशेषों की पवित्र प्रदर्शनी' के दौरान भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को प्रदर्शित किया गया। पीएम मोदी ने इसे अनूठा अवसर बताया है।

रेलवे में 895.30 करोड़ के प्रोजेक्ट मंजूर

सुरक्षा, क्षमता और संचालन दक्षता को सुदृढ़ बनाया जाएगा

एजेसी
 नई दिल्ली

रेलवे ने रेलवे पुलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत और मेट्रो रेल की विद्युत प्रणालियों को उन्नत बनाने के लिए 895.30 करोड़ की प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं का उद्देश्य सुरक्षा, क्षमता और संचालन दक्षता को बेहतर बनाना है। कोलकाता मेट्रो के उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर को मजबूत करने के लिए 671.72 करोड़ की परियोजना को मंजूरी मिली है। 7 नए ट्रेक्मैन सबस्टेशन बनाए जाएंगे और मौजूदा 11 केवी बिजली प्रणाली को 33 केवी में अपग्रेड किया जाएगा।

आद्रा डिवीजन में पुल परियोजना को मंजूरी

दक्षिण पूर्वी रेलवे के आद्रा डिवीजन में 223.58 करोड़ रुपए की लागत से पुल अवसंरचना को मजबूत किया जाएगा। मधुकुंडा-दामोदर खंड पर स्थित पुराने पुल (संख्या 520) के आधारभूत ढांचे का पुनर्निर्माण किया जाएगा, जो 1903 और 1965 में बनाए गए थे और अब कमजोर हो चुके हैं।

मौसम विभाग ने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की

झारखंड, बिहार,ओडिशा में आंधी-बिजली के साथ होगी बारिश

7 दिन तक कई राज्यों में बहुत भारी बारिश का दिया अलर्ट



हिमाचल में 5 दिन बरसेंगे बादल, ओलावृष्टि होगी

हिमाचल प्रदेश में मौसम के बिगड़ने के आसार हैं। राज्य के कई भागों में लगातार 5 दिन बारिश होने का पूर्वानुमान है। चोटियों पर बर्फबारी की संभावना है। कई जिलों में 4 मई को ओलावृष्टि का अॉरेंज अलर्ट जारी किया गया है। शिमला और आसपास भागों में धूप खिलने के साथ हल्के बादल छाए हुए हैं। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में भी मींगेंगे

पंजाब में 3-6 मई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ में 2-6 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। गरज, बिजली और तेज हवाओं जिनकी स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटे होगी के चलने की संभावना है। राजस्थान में 2-8 मई के दौरान बारिश संभावित है।

इस यात्रा का मकसद भारत और म्यांमार के बीच समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों को और मजबूत करना है। हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा चुनौतियों के बीच यह दौरा बेहद अहम माना जा रहा है

समुद्री सहयोग को मिलेगी नई दिशा

क्षमता विकास क्षमता संवर्धन और प्रशिक्षण जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

हरिभूमि ब्यूरो ॥ नई दिल्ली

भारत की समुद्री रणनीति को मजबूत करने के लिए नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी म्यांमार के चार दिन के दौरे पर पहुंच गए हैं। यह दौरा 2 मई से 5 मई तक चलेगा। इस यात्रा का मकसद भारत और म्यांमार के बीच समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों को और मजबूत करना है।

म्यांमार दौरे पर पहुंचे नौसेना प्रमुख त्रिपाठी सैन्य अधिकारियों संग करेंगे द्विपक्षीय वार्ता



एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी को 'गार्ड ऑफ ऑनर' देती म्यांमार नौसेना

सेंट्रल नेवल कमांड का दौरा करेंगे

अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान एडमिरल त्रिपाठी म्यांमार नौसेना के सेंट्रल नेवल कमांड का दौरा करेंगे। वे नेवल ट्रेनिंग कमांड और नंबर-1 फ्लीट का निरीक्षण भी करेंगे। इस दौरान वे प्रशिक्षण, क्षमता बढ़ाने और सुरक्षा सहयोग पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वे शहीद सैनिकों के युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने भी जाएंगे।

खबर संक्षेप

सर्जियो गोर से नहीं मिले पीएम बालेन शाह

काठमांडू। नेपाल के पीएम बालेन शाह ने डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत



सर्जियो गोर से मुलाकात नहीं की। सर्जियो गोर नई दिल्ली में अमेरिका के राजदूत हैं और उनका दौरा बालेन शाह से मुलाकात के बगैर ही खत्म हो गया है। सर्जियो गोर गुरुवार को छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन दिनों के दौरे पर काठमांडू पहुंचे थे और अमेरिकी टीम ने बालेन शाह से मुलाकात की काफी कोशिशें की थीं। इससे पहले वे अमेरिका के सहायक विदेश सचिव समीर पॉल कपूर से भी नहीं मिले।

नित्या रमन लड़ रहीं लॉस एंजिल्स मेयर पद का चुनाव

लॉस एंजिल्स। अमेरिका में लॉस एंजिल्स के मेयर पद के लिए दो



जुन को चुनाव होने वाले हैं। इस रেস में भारतीय मूल की नित्या रमन भी अहम दावेदार बनकर उभर रही हैं। नित्या रमन का जन्म केरल के तमिल परिवार में हुआ था। छह साल की उम्र में उनका परिवार अमेरिका के लुइसियाना में बस गया। 22 साल की उम्र में वह अमेरिकी नागरिक बन गईं। उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अर्बन प्लानिंग में मास्टर डिग्री हासिल की है। वह डिस्ट्रिक्ट 4 का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

पाकिस्तान में पेट्रोल 400 पाए, 5 दिन का तेल बचा

इस्लामाबाद। मिडिल ईस्ट में बने तनाव के हालात के चलते पाकिस्तान उर्जा संकट से जूझ रहा



है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने कहा है कि हमारे पास कोई रणनीतिक तेल का भंडार नहीं है। हमारे पास केवल व्यावसायिक भंडार है। इस्लामाबाद के पास पांच से सात दिन का ही तेल बचा है। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत पाकिस्तान रुपए में 321.17 से बढ़कर 458.41 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इधर मलिक ने बताया कि अब डीजल की कीमतें 3 से 4 गुना बढ़ गई हैं। डीजल पर लेवी को घटाकर शुन्य कर दिया गया है। पूरा बोझ पेट्रोल पर डाल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के राजदूत फिलिप ग्रीन का अलगाववादियों को कड़ा संदेश

भारत की अखंडता से कोई समझौता नहीं प्रदर्शन की आड़ में गलत बातें बर्दाश्त नहीं

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी गतिविधियों को लेकर भारत की चिंताओं पर ऑस्ट्रेलिया ने एक बड़ा और कड़ा बयान दिया है। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त (राजदूत) फिलिप ग्रीन ने साफ कर दिया है कि उनका देश भारत की क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान करता है। उन्होंने अलगाववादी ताकतों को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक देश होने के नाते वहां



शांतिपूर्ण प्रदर्शन तो हो सकते हैं, लेकिन अपराध के लिए कोई जगह नहीं है। राजदूत फिलिप ग्रीन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की पुलिस और खुफिया एजेंसियां भारत की चिंताओं को बहुत गंभीरता से ले रही हैं। उनका बहुसांस्कृतिक, खुफिया, पुलिस और विदेश नीति से जुड़ी एजेंसियां इस मुद्दे पर लगातार आपस में बैठक कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे भारत की क्षेत्रीय अखंडता में विश्वास करते हैं और अलगाववादी गतिविधि को सख्त लहजे में चेतावनी दी कि प्रदर्शन की आड़ में किसी भी तरह की अपराधिक गतिविधि को बिस्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया एक लोकतांत्रिक देश

राजदूत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया एक लोकतांत्रिक देश है, इसलिए वहां लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार दिया गया है। लोग कानून के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर सकते हैं और इसकी अनुमति देश में हमेशा बनी रहेगी। हालांकि, उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि प्रदर्शन की आड़ में किसी भी तरह की अपराधिक गतिविधि को बिस्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एक कार्यक्रम में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऑपरेशन सिंदूर सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय, सैनिकों ने दिखाया अद्भुत पराक्रम

हरिभूमि ब्यूरो ॥ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश के सैन्य इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। जिसमें जवानों ने अद्भुत वीरता और साहस का प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आतंकवाद का समूल नाश करने के लिए दृढ़ता के साथ संकल्पबद्ध है। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने 2 मई को 'शीर्ष' नामक एक कार्यक्रम के दौरान दी। जिसे मंत्रालय ने सशस्त्र सेनाओं के इस अभियान की पहली वर्षगांठ के 'रन-अप आयोजन' के रूप में मनाया। एक बयान जारी कर



रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कार्यक्रम में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, वायु से ना ध्य क्ष एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और उप सेनाप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ मौजूद रहे। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में सैनिकों के साहस, वीरता, समर्पण और राष्ट्रीयता की उनकी भावना की प्रशंसा की और कहा कि देश की प्राचीन से लेकर समकालीन सैन्य परंपरा के प्रमुख लोकाचार्यों में राष्ट्र सबसे पहले और अपने आप से पहले देश सेवा शामिल है। ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे बड़ा उदाहरण पेश करता है।

‘ऑपरेशन ग्लोबल हंट’: सीबीआई को मिली बड़ी कामयाबी

यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा कमलेश पारेख

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अहम सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। 1 मई को पारेख को भारत लाया गया, जहां दिल्ली पहुंचते ही सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई



भारत सरकार के 'ऑपरेशन ग्लोबल हंट' के तहत विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय में अंजाम दी गई। पारेख के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जिसके आधार पर उसे यूएई में ट्रैक कर हिरासत में लिया गया। भारत के औपचारिक अनुरोध और दोनों देशों के बीच कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे भारतीय एजेंसियों को सौंप दिया गया।

4 से 8 मई तक का होगा दौरा, आईएम आरएफ की बैठक में होगी भागीदारी

हरिभूमि ब्यूरो ॥ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए अमेरिका द्वारा दी गई छूट की समयसीमा पिछले महीने 26 अप्रैल को समाप्त हो गई है। जिसके बाद ईरान से अफगानिस्तान और मध्य-एशिया तक सीधे पहुंच बनाने की भारत के महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजना पर फिलहाल ब्रेक लगा गया है। इन सबके बीच विदेश और पर्यावरण-वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह अगले सप्ताह से अमेरिका की यात्रा करेंगे। जिसमें बहुत संभावना है कि वहां होने वाली उच्च-स्तरीय वार्ताओं में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों (द्विपक्षीय व्यापार समझौता शामिल) के अलावा चाबहार के मामले पर भी विचार-विमर्श किया जा सकता है। शांति शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी।



चाबहार बंदरगाह पर लगी रोक हटेगी... कीर्तिवर्धन सिंह करेंगे अमेरिका की यात्रा

यूनजीए करेंगी बैठक का आयोजन

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि कीर्तिवर्धन सिंह 4 मई से लेकर 8 मई तक अमेरिका की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसमें वह मुख्य रूप से न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा आयोजित किए जाने वाले दूसरे अंतरराष्ट्रीय प्रवासन समीक्षा मंच (आईएमआरएफ) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान होने वाले पूर्ण सत्र (प्लेनरी) में उनके द्वारा भारत का राष्ट्रीय बयान दिया जाएगा। इस आयोजन की खास बात यह होगी इससे इतर भारत को एक कार्यक्रम आयोजित करेगा। जिसका शीर्षक 'लीबरेशन डिजिटल कनेक्टिव इन माइक्रोवेलिंग गवर्नेंस-द ई-माइक्रो एक्सपेरियेंस ऑफ इंडिया' होगा।

वरिष्ठ अधिकारियों से होगी मुलाकात

कीर्तिवर्धन सिंह अमेरिका की अपनी इस यात्रा में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और आईएमआरएफ में बैठकर सदस्य देश के रूप में शामिल दुनिया के बाकी देशों के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। यह मंच प्रांत्विक रूप से एक अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय मंच है। जो कि प्रवासन के वैश्विक मामले और उसके सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) से संबंधित भाग पर चर्चा तथा उसमें हुई प्रगति पर विचार-विमर्श से जुड़ा हुआ है। वह बहुभाषीदार गोलमेज वार्ताएं, नीतिगत परिवाद और एक पूर्ण चर्चा भी इस आयोजन का हिस्सा बनेगी। जिसके परिणामस्वरूप प्रगति घोषणापत्र को अंगीकार किया जाएगा।

क्षमता विकास पर फोकस

इन कार्यक्रमों के दौरान समुद्री सुरक्षा, क्षमता विकास, क्षमता संवर्धन और प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच तालमेल और मजबूत हो सके। नौसेना प्रमुख की यह यात्रा भारत और म्यांमार के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों की पुष्टि करती है। यह साझेदारी आपसी सम्मान, विश्वास और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा व स्थिरता के लिए साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है।

रणनीतिक मुद्दों पर होगा मंथन

इस यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख म्यांमार सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ये विन ऊ, रक्षा मंत्री जनरल यू हटुन आंग और म्यांमार नौसेना के कमांडर-इन-चीफ एडमिरल हेटिन विन सहित वरिष्ठ अधिकारियों से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इन बैठकों में मौजूदा समुद्री सहयोग की समीक्षा और परिचालन स्तर पर संबंधों को मजबूत करने के साथ नए सहयोग के अवसरों पर चर्चा होगी। साथ ही बैठकों में रणनीतिक और सुरक्षा मुद्दों पर बातचीत होगी।

नियमित सैन्य अभ्यास और सहयोग जारी

भारतीय नौसेना म्यांमार नौसेना के साथ रक्षा सहयोग बैठकों, स्टाफ वार्ताओं और प्रशिक्षण आदान-प्रदान के जरिए लगातार संपर्क में रहती है। इसके अलावा भारत-म्यांमार नौसेना अभ्यास (आईएमएनईक्स), समन्वित गश्त (आईएमसीओआर), बंदरगाह दौरे और जल सर्वेक्षण जैसी गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित होती हैं। दोनों देशों की नौसेनाएं हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी, मिलन, अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा, गोवा समुद्री सम्मेलन, आईओएस सागर और एडमिरल कप जैसे बहुपक्षीय मंचों में भी सक्रिय भागीदारी करती रही हैं।

कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा ने माना

‘खालिस्तानियों’ से सुरक्षा को खतरा, हिंसा को बढ़ावा दे रहे



ओटावा स्थित सीएसआईएस का ऑफिस

एजेंसी ॥ ओटावा

कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में माना गया है कि खालिस्तानी तत्वों से कनाडा को खतरा पैदा हो रहा है। सीएसआईएस की 2025 की रिपोर्ट कनाडा की संसद में पेश की गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में मौजूद खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियां लगातार एक हिंसक चरमपंथी एजेंडा को बढ़ावा देती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ऐसे चरमपंथी समूहों की गतिविधियां कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों के लिए लगातार खतरा बनी हुई हैं।

एअर इंडिया हमले में खालिस्तानी शामिल

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल एअर इंडिया की उड़ान 182 में बम विस्फोट की 40वीं बरसी थी, जिसके संदिग्ध कनाडा आधारित खालिस्तानी चरमपंथी समूहों के सदस्य थे। यह कनाडा के इतिहास का अब तक का सबसे घातक आतंकवादी हमला माना जाता है। इसमें 329 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें ज्यादातर कनाडाई नागरिक थे। 2025 में कनाडा में खालिस्तानी समूहों से जुड़ा कोई हमला नहीं हुआ। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की मौजूदगी के कारण इस तरह की गतिविधियों पर निगरानी जरूरी है। रिपोर्ट में यह भी माना गया है कि भारत अपनी अंदरूनी स्थिरता के लिए खतरों का सामना करता है।

कार्नी के पीएम बनने के बाद संबंधों में सुधार

यह रिपोर्ट 2025 की खुफिया आकलन पर आधारित है। लेकिन हाल के समय में इसमें बदलाव के संकेत भी मिले हैं। पीएम मार्क कार्नी के कार्यभार संभालने के बाद कनाडाई अधिकारियों ने कहा है कि उन्हें लगता है कि भारत वर्तमान में कनाडा की धरती पर किसी हिंसक अपराध या खतरे से जुड़ा नहीं है। रॉयल कैनेडियन माउटेड पुलिस (आरसीएमपी) के प्रमुख माइक ड्यूहम ने भी कहा कि कनाडा के लिए किसी विदेशी एजेंट से कोई सीधा खतरा साबित नहीं हुआ है।

150 से अधिक वांछित अपराधियों का भारत लाया गया

सीबीआई, जो भारत में इंटरपोल के लिए नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के रूप में कार्य करती है, 'भारतपोल' प्लेटफॉर्म के जरिए देश की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है। इसी सहयोग का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से 150 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया जा चुका है। यह ताजा कारवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच मजबूत सहयोग का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण मानी जा रही है।

पारेख का कई देशों में कारोबार

आरोपी ने यूएई सहित कई देशों में फैले अपने कारोबारी नेटवर्क का इस्तेमाल कर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। जांच एजेंसियां अब उससे पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हैं।



कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंजाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाप्टर रूल: 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंजाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंस्तें हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रूटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाएं



चंद रेकेड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। हंन का पैटर्न बनता है। हंन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिग्नल मानता है और मानसिक परेशानियों को मुलागे में मदद करता है।



मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन मुश्किल बहुत बना डाला। अद्वयवस्थित जीवनशैली बातें भी हैं जाने कैसी किसी का कोई लिहाज नहीं है रिश्तों की तो ऐसी-तैसी अवल पर लगा दिया ताला। भौतिकता के पागलपन में आपाधापी मची जीवन में नियम कानून को ताक पे रखते पानी सूख गए अखिरयन में नैतिकता को पड़ गया पाला। कितना सरल है जीवन लेकिन मुश्किल बहुत बना डाला।

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।



दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंस्तें हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना है: अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंस्तें बल्कि हम हंस्तें हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंस्तें हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्चल और उन्मुख होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। अगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारी नेमती की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

हंसी बीमारियों के उपचार में सहायक: हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं।

आपको जानकारी हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाप्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को

शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूत: हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति

आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-

मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के आधाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारी नेमती की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं।

फॉलो करें लाप्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाप्टर रूल: 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंस्तें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाप्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।



कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेंसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंस्तें हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला सायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाप्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानविक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाप्टर-थेरेपी या लाप्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-फक्स्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिग्नल मानता है और मानसिक परेशानियों को मुलागे में मदद करता है।

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

इमोशनल रेग्युलेटर: मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है। बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरी: इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंस्ता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है। फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिस: सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्सुएंट बिहेवियर: यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेन्ट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुःखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉर्नोटीव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंस्तें हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृत्ति होने के कारण हंसी, सोशल एंजाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है।

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

जबरन हंसना पड़ेगा



सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इन बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही

व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंस्तें हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार की नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेंसिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिसमें भी दिखाऊ तथा ही पड़ता है। *

ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

सबक

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी

खंगरा राजा चौरसिया

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेटेड फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। अगर से बैर करने से ही खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगहाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुःध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी के अन्यातावश्यक हो गई हैं। बॉस पर बयों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो,

लघुकथा / विनय मोघे



पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविध धर्वा साहित्यिक सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहाँ नंदेश्वर दैमाड़ी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियाँ, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करती बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रूचन संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुकल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिका: पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, संपादक: देवांशु, मूल्य: 125 रुपए, प्रकाशन स्थल: बिलासपुर, छत्तीसगढ़



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूक सच्ची सहेली में है **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी



सच्ची सहेली

विश्व हास्य दिवस आज

विश्व हास्य दिवस पर हरिभूमि से शेरार की देश के प्रसिद्ध कवियों ने अपनी कविताएं और उनसे जुड़ा वाक्य

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

विश्व हास्य दिवस केवल हंसने-मुस्कुराने का अवसर नहीं, बल्कि तनाव भरी जिंदगी में सकारात्मक ऊर्जा भरने का माध्यम भी है। बदलती जीवनशैली, भागदौड़ और मानसिक दबाव के इस दौर में हास्य कविता लोगों को राहत देने का काम कर रही है। मंचों पर जब हास्य कवि अपनी चुटौती पंक्तियों, व्यंग्य और रोजमर्रा की घटनाओं की कविता का रूप देते हैं, तो श्रोता ठहाकों के बीच अपने जीवन की सच्चाइयों को भी महसूस करते हैं। विश्व हास्य दिवस पर हरिभूमि ने देश के प्रमुख हास्य कवियों से बातचीत की, इन कवियों की कविताओं में न केवल एक व्यंग्य के रूप में एक संदेश छिपा है, बल्कि हंसी का गुबार भी इस कविता को खास बना देती है। हर उम्र के लोगों को आकर्षित करने वाली इन कवियों की कविताएं केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की विसंगतियों, राजनीति, रिश्तों और आम आदमी की परेशानियों पर तीखा लेकिन सहज प्रहार भी करती है। इनकी कविताएं गंभीर भाषा में कहना कई बार कठिन होता है। यही वजह है कि हास्य और व्यंग्य कविताएं करती हैं।

केवल मनोरंजन नहीं, समाज की विसंगतियों, राजनीति, रिश्तों और आम आदमी की परेशानियों को बयां करती हैं कविताएं

लोग ऐसी बात कर रहे हैं, हमारे नेता आजकल रावण को भी मात कर रहे हैं...

प्रसिद्ध कवि वेद प्रकाश वेद में कहा कि ऐसा नहीं है कि मेरे जीवन में कुछ घटनाएं हुईं और मैंने उस पर कविता लिखी है, बल्कि मेरी कविताएं समाज और देश से जुड़ी होती हैं जिनमें देश के हालातों पर तो कभी नेता राजनेताओं की राजनीति पर मैंने अपनी कविता लिखी और उसे व्यंग्य का रूप दे दिया। अभी मेरी कविता देश में नेताओं की हालत पर है। जिसे मैंने रावण विषय दिया। लोग ऐसी बात कर रहे हैं हमारे नेता आजकल रावण को भी मात कर रहे हैं, ये बात उड़ते-उड़ते रावण तक पहुंची तो रावण बोखला गया, अपने से भी बड़े राक्षसों के दर्शन करने वो लंकापति, वो दशानन आनन-फानन में सीधा दिल्ली आ गया। स्ट्रेसी से बाहर आते-आते घटना घट चुकी थी, टैक्सी

करने के भी पैसे नहीं बचे थे, अगले की जेब कट चुकी थी। निराशा, मायूस लंका से चेहरे पे उदासी मन में क्लेश लिए वो मुझसे टकराया, बोला-भाई साब, आप भारतीयों के हाथ जोड़ते हैं आपकी तरक्की देखकर तो हम भी शरमा गए, अंत में नाक काटने से चले थें, कलियुग में जेब काटने पर आ गए। वो तो भला हो मंदोदरी का, सौ का नोट अलग से अंटी में फंसा दिया था, वरना खाने के भी पैसे नहीं बचते, मुझे तो मरवा दिया था। मुझे क्या पता था, सीता को चुराकर राम का दिल दुखाने के मुझे ये फल भोगने पड़ेंगे कि मैं फलों को तरस जाऊंगा, मेरी समझ में नहीं आ रहा इन सौ रुपयों में, मैं क्या खाना खाऊंगा। मैंने कहा-राम को क्यों इल्जाम दे रहे हैं, राम को सताने वाले तो मजे ले रहे हैं, वो त्रेता होगा जहां राम को सताने पर मातम पुरसी मिलती है, ये कलियुग है रावण डालिंग। यहाँ राम को सताओगे तो कुर्सी मिलती है।

देश का नम्बर वन पैरोडीकार, सुदीप भोपाल जिन्होंने 27 देश में तीन हजार

काव्यमंच, 500 से ज्यादा टीवी प्रस्तुतियां दी। उन्होंने विश्व हास्य दिवस पर कहा कि मैं हमेशा देश में हो रहे मुझे के ऊपर ही अपनी कविताओं को बनाता हूं और अभी इस वक्त बंगाल एग्जिट पोल काफी चर्चा में है तो मेरा मेरी यह कविता मैंने इसी पर लिखी है, जिसमें एक संदेश के साथ हास्य व्यंग्य का मिला जुला ताल मेल है और मेरी यह कविता इन दिनों काफी वायरल भी है।

यह कविता हुई वायरल

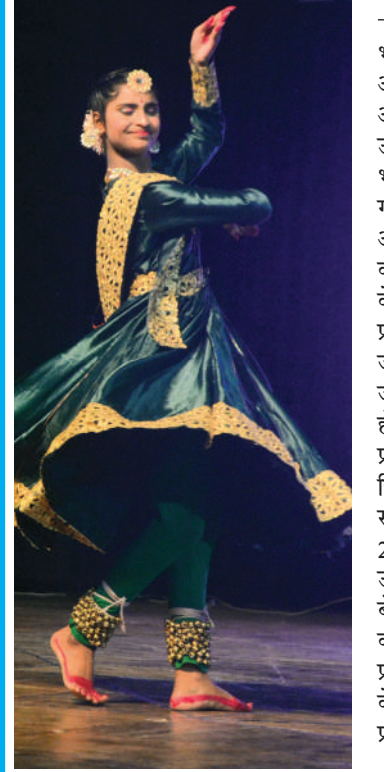
ढोल बज गया ढोल देखो, आया एग्जिट पोल, किया ईसी ने फुल कंट्रोल ओ देखो पंजे को दो बनोंल, डब्बा गोल, ढोल बज गया ढोल देखो, आया एग्जिट पोल। खेड़ा के करके बखड़े, विश्वा बनाएंगे पेड़े, सीधे को सीधे हैं वो, टेडे को टेड़े, कांग्रसियों के फूटे ना बोल, हुआ आसाम में ऐसा झोल, डब्बा गोल, ढोल बज गया ढोल देखो, आया एग्जिट पोल। दीदी के पीछे न दौड़े, अटकाए रस्ते में रोड़े, बेगानी शादी में ये, लंगड़े थें घोड़े, घोड़े घोड़े घोड़े, कांग्रसियों के फूटे ना बोल, हुआ बंगोल ही ब्लैक होल, डब्बा गोल, ढोल बज गया ढोल। इनकी सिमट गई ढेरी, केरल में केवल बचे री, मुश्किल तमिलनाडु में, लूटी पॉडिचरी, कांग्रसियों के फूटे ना बोल, बोलो महंगा होगा पेट्रोल, डब्बा गोल, ढोल फट गया ढोल, देखो आया एग्जिट पोल।



ठहाके मारो स्वस्थ रहो, है सौ मर्जों की दवा हंसी...

प्रसिद्ध हास्यकवि प्रताप फौजदार कहते हैं कि मैं कविताओं के जरिए लोगों को हंसाता हूं, जिससे लोगों के चेहरे की उदासी, उनके चेहरे की मायूसी दूर हो और जीवन के कुछ फल वह हंस लें। इसलिए मेरी कविता में हंसी के रूप में दुखों को दूर करने का मर्ज छिपा होता है और उसी पर मैंने अपनी कविता बनाई है। गुम सुम रहते हैं और क्यों गुमान करते हैं, आओ मिलकर उदासी का निदान करते हैं, बंद ओठ तो समस्या की करते हैं उपेक्षा, हंसते ओठ समस्या का समाधान करते हैं। गम है एक तो सवा हंसी, खुश रहने की हवा हंसी, ठहाके मारो स्वस्थ रहो, है सौ मर्जों की दवा हंसी।

नेक्स्ट जेन टैलेट समिट 2026 में चयनित पांच बेस्ट परफॉर्मर्स को जून में मलेशिया में मिलेगा मंच भगवान जगन्नाथ की महिमा से सजी 'मानउद्धारण' की प्रस्तुति, शिव तांडव में दिखा शिव-पार्वती का शक्ति संतुलन



परंपरागर् शास्त्रीय शैली में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी

भरतनाट्यम : शास्त्री तौमर सब जुनियर, लावण्या पाटणकर जुनियर, पल्लिका दीक्षित ओडिशी : श्रुति झा ध्रुवद्वी विनी गुप्ता खालः चंकिता, यति विश्वकर्मा भजनः आह्वान यदुवंशी तबलाः मोहित शावक

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की भावपूर्ण अभिव्यक्तियों से सजी ओडिशी प्रस्तुति 'मानउद्धारण' ने दर्शकों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभूति से सराबोर कर दिया। कविसम्राट उपेंद्र भंज की रचना पर आधारित इस मनोहारी प्रस्तुति में भगवान जगन्नाथ की करुणा, संरक्षण और दिव्य कृपा को गजेंद्र मोक्ष एवं द्रौपदी चीरहरण जैसे प्रसंगों के माध्यम से अत्यंत प्रभावशाली ढंग से जीवंत किया तो वहीं राग मालव कौशिक, ताल त्रिपुट व एकताल में शिव के तांडव और पार्वती के लास्य का संतुलित समन्वय को दर्शाती 'अर्धनारीश्वर' प्रस्तुति में तांडव की ऊर्जा और लास्य की कोमलता का मंचन जग रविंद्र भवन के मंच पर किया तो पूरा परिसर भगवान जगन्नाथ की आभा और शिव तांडव के ओज से आलौकिक हो उठा। गुरु डॉ. गजेंद्र कुमार पंडा के निर्देशन ने प्रस्तुति इस प्रस्तुति ने सांस्कृतिक छटा को अद्भुत ऊँचाई प्रदान की। हिंदुस्थान आर्ट एंड म्यूजिक सोसायटी द्वारा मग्न संस्कृति विभाग के सहयोग 'नेक्स्ट जेन टैलेट समिट 2026' में शनिवार को कला और संस्कृति का भव्य उत्सव नजर आया। जहां शाम की बेला में देश के जाने माने कलाविदों ने अपनी भाव पूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया तो वहीं सुबह के सत्र में देश के अलग अलग राज्यों से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी।



'नेक्स्ट जेन टैलेट समिट 2026' में प्रस्तुति देती कलाकार।

5 उत्कृष्ट बेस्ट परफॉर्मर्स जाएंगी मेलेशिया

पांच उत्कृष्ट बेस्ट परफॉर्मर्स को चुना गया, जो जून में मलेशिया में भारत को रिप्रेजेंट करेंगी। इस अवसर पर मंत्री कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा एवं विधायक भगवान दास सबनानी ने करीब 120 प्रतिभागियों को सम्मानित किया।



कैवल्य कुमार ने छेड़ी राग मधुवंती में विलंबित एकताल की धुन

हृदय के बाद शास्त्रीय गायन में पं. कैवल्य कुमार गुरु ने राग मधुवंती में विलंबित एकताल, मध्य लय तीनताल और ताना प्रस्तुत कर स्वर विस्तार, सूक्ष्म मीड और तानों की स्पष्टता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया। उनकी गायकी में गायकी अंग की पारंपरिक उमंगरता और आधुनिक संवेदना का संतुलन देखने को मिला।

किरवानी राग पर आधारित संतूर-तबला जुगलबंदी

संस्था बेला का शुभारंभ प्रसिद्ध तबला वादक प्रोफेसर जीत पौद्धार एवं पद्मश्री डॉ. तरुण भट्टाचार्य की संतूर-तबला जुगलबंदी विशेष आकर्षण रही। किरवानी राग पर आधारित इस प्रस्तुति में छप्ताल की विलंबित लय से आरंभ कर तीनताल की मध्य लय में झाला तक की यात्रा ने श्रोताओं को बांधे रखा। खवाल-जवाब की शैली में संतूर की मीड, गमक और जाला तकनीक तथा तबले पर देते-देते, लयकारी, तिहाई और सग्न पर सटीक नियंत्रण का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ।



अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में गूंजे शब्दों के स्वर, सोनागिरी चौराहा बना काव्यधारा का मंच

भोपाल। मजदूर दिवस पर श्रमश्री सेवा संस्था समिति द्वारा सोनागिरी चौराहे पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। साहित्य, संवेदना और मनोरंजन से सराबोर इस आयोजन में देशभर से आए प्रतिष्ठित कवियों और कवयित्रियों ने अपने विविध रसों से भरपूर काव्यपाठ से श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। श्रमश्री सेवा संस्था के अध्यक्ष रामबाबू शर्मा ने बताया कि इस मौके पर प्रमुख रूप से रामेश्वर शर्मा, तवन भौमिक, भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, विष्णु राजोरिया सहित अन्य लोग मौजूद थे।

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

गौहर महल में आयोजित हार्टस्ट हैडलूम एक्सपोजे 2026 के इन दिनों शहरवासियों के लिए भारतीय पारंपरिक शिल्प और हस्तकरधा कला का आकर्षक केंद्र बना हुआ है। मग्न हस्तशिल्प एवं हथकरधा विकास निगम द्वारा आयोजित यह एक्सपोजे 10 मई तक चलेगा, जिसमें देशभर से आए बुनकर और शिल्पकार अपनी कला और हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरधा उद्योग को बढ़ावा देने के साथ शिल्पकारों को सीधे ग्राहकों से जोड़ना है।

पूरी तरह हस्तनिर्मित पेन कलमकारी कला

एक्सपोजे में आंध्रप्रदेश से आए शिल्पकार शिव कुमार अपनी विशेष पेन कलमकारी कला के कारण लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। उनकी कला पूरी तरह हस्तनिर्मित होती है, जिसमें किसी मशीन का उपयोग नहीं किया जाता। प्राकृतिक और जैविक रंगों से तैयार किए गए डिजाइनों को कपड़ों पर हथों से उकेरा जाता है, जिससे हर परिधान अपनी अलग पहचान बनाता है। शिव कुमार ने बताया कि एक साड़ी या सूट तैयार करने में कई दिनों की मेहनत लगती है।

45 दिन लगते हैं डिजाइन बनाने में

इसके अलावा वाराणसी से आए मोहम्मद अरशद बनारसी साइडिंगों की बारीक बुनाई का प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके अनुसार, एक बनारसी साड़ी को तैयार करने में करीब 45 दिन लगते हैं, जिसमें हर धागे को सावधानीपूर्वक डिजाइन के अनुरूप बुना जाता है।

आकर्षक फूलों, रंगों और कलात्मक डिजाइनों से सजे मिनी केक

मदर्स-डे के अवसर पर आयोजित केक पेंटिंग वर्कशॉप में दिखा मां-बच्चों का अनोखा उत्साह



हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

मदर्स-डे के खास अवसर पर आयोजित 'मदर्स-डे स्पेशल केक पेंटिंग वर्कशॉप' में रचनात्मकता, प्रेम और उत्साह का सुंदर संगम देखने को मिला। गुलमोहर स्थित एक केक शॉप पर प्रसिद्ध चॉकलेट मेकर दीपिका खेमरानी के निर्देशन में आयोजित इस वर्कशॉप में करीब 50 माताओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मां और बच्चे की जोड़ियों ने भाग लिया और रिश्तों में प्रेम, अपनापन की झलक दिखाई।

'सिनेकारी' में शब्दों का अनोखा संगम आलियांस फ्रांसेज में सिनेमा, कविता और विचारों का रंग 'सिनेकारी' के संग

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

शहर में रचनात्मकता और सिनेमा प्रेमियों के लिए एक खास शाम तब यादगार बन गई, जब आलियांस फ्रांसेज में दो दिवसीय सिनेकारी के आठवें संस्करण का शुभारंभ हुआ। शनिवार शाम आयोजित इस उद्घाटन कार्यक्रम में सिनेमा, कविता और कला का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने दर्शकों को एक अलग ही अनुभव से भर दिया। राइटिंग वर्कशॉप के दौरान सामने आई 'जगू और मागाहारी' की कहानी पहले दिन का प्रमुख आकर्षण रहा सुदीप सोहनी की फिल्म 'जगू और मागाहारी' का प्रदर्शन रहा, इसके बारे में बात करते हुए सुदीप ने बताया कि यह कहानी एक राइटिंग वर्कशॉप के फ्रांसेज में दो दिवसीय सिनेकारी के दौरान सामने आई थी, जिसे लोगों ने खूब पसंद की थी। कहानी की सहजता और गहराई ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने इसे फिल्म के रूप में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया। दर्शकों ने फिल्म को ध्यानपूर्वक देखा और फिर उसे खूब सराहा, जिससे सत्र का वातावरण पूरी तरह सिनेमा के रंग में रंग गया।

SARDAR AJEET SINGH MEMORIAL COLLEGE, BHOPAL (Approved by NCTE, New Delhi and Affiliated to MPSE Bhopal) Gram: Adampur Chhawani, Raisen Road, Bhopal-462022			
RECRUITMENT			
Applicants are invited for various Teaching positions in the institute. Interested candidates are requested to send their applications with CV and all Testimonial within 7 Days by email.			
S. No.	Faculty	Qualification	Vacant Post
1	HOD		01
2	Lecturer (Science)		02
3	Lecturer (Social Science)		02
4	Lecturer Language (Hindi+English)	As per NCTE Norms	1+1
5	Lecturer (Mathematics)		01
6	Lecturer (Fine Art & Performing Arts)		01
7	Lecturer (Music)		01
8	Lecturer (Physical & Health Education)		01
Address: SAM Central Campus, Gram-Adampur Chhawani, Kolsa, Raisen Road, Bhopal-462022 E-mail: sameducationcollege@gmail.com Contact: 94256 07373, 6260380242			